www.bharatsamvad.in

R.N.I.No- UPHIN/2009/30939

सत्य का स्वर

भारत संवाद

प्रयागराज, लखनऊ तथा मुम्बई से एक साथ प्रकाशित

ऐप में पढ़े
E-PAPER
भारत संवाद
Scan for E-Paper or Search on Play store Bharat Samvad E-Paper

मौसम

अधिकतम तापमान 40.c

30.c न्यूनतम तापमान

बाजार

सोना 98.700g

चांदी 97.000 kg

2 हरित भारत के प्रति समर्पित रेलवे, आर्थिक विकास और पर्यावरण के प्रति प्रतिबद्धता

अमेरिका ने गाजा में सीजफायर प्रस्ताव पर वीटो लगाया 06

वर्ष :17 | अंक :65 | प्रयागराज ,शुक्रवार , 06 जून , 2025 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 1: 00 रुपए

संक्षिप्त समाचार

युवक को कार से कुचलने के प्रयास के मामले में ट्रांसपोर्टर के दो बेटे गिरफ्तार

उत्तर प्रदेश में गौतमबुद्धनगर जिला पुलिस ने यहां सेक्टर 53 में दो भाइयों के साथ मारपीट करने और उनमें एक को थार कार से कुचलने की कोशिश करने के आरोप में एक ट्रांसपोर्ट कारोबारी के दो बेटों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने यह ये गिरफ्तारियां की हैं। घटना को लेकर एक थाना प्रभारी समेत दो पुलिस अधिकारियों को निलंबित किया गया है तथा गाड़ी को जब्त कर लिया गया है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, थाना सेक्टर 24 की पुलिस ने ट्रांसपोर्ट कारोबारी सुधीर अवाना के बेटे अमन अवाना तथा आकाश अवाना को बुधवार रात गिरफ्तार किया। वे यहां नोएडा के सेक्टर 23 के रहने वाले हैं। उनके मुताबिक, पूछताछ के दौरान आरोपियों ने बताया कि सोशल मीडिया पर टिप्पणी को लेकर दोनों पक्षों में विवाद हुआ था और आरोपियों ने पीड़ित सुमित यादव और सौरभ को अपने दफ्तर बुलाया जहां उनपर कथित रूप से हमला किया गया। इस घटना में शामिल कुछ लोग फरार हैं।

न्यायाधीश ने फर्जी न्यायिक आदेशों की शिकायत की, प्राथमिकी दर्ज

राष्ट्रीय राजधानी की पटियाला हाउस अदालत के एक जिला न्यायाधीश ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है कि उनके हस्ताक्षर वाले कुछ फर्जी अदालती आदेश सोशल मीडिया पर प्रसारित किए गए हैं। इनमें गिरफ्तारी वारंट जारी किए जाने और संपत्ति की जब्ती से जुड़े आदेश शामिल हैं। वाणिज्यिक न्यायालय-01 के जिला न्यायाधीश की शिकायत के बाद 23 अप्रैल को नयी दिल्ली साइबर पुलिस थाने में एक प्राथमिकी दर्ज की गई। न्यायाधीश ने अपनी शिकायत में कहा है कि सोशल मीडिया के माध्यम से कई बार ऐसे जाली दस्तावेज भेजे गए हैं, जिन पर उनका नाम अंकित है और उन्हें न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी के रूप में दशार्या गया है। प्राथमिकी के मुताबिक, पहला मामला 31 मई 2024 को सामने आया, जब सरकार बनाम सुश्री अंकिता के नाम से न्यायाधीश के जाली हस्ताक्षर वाला गिरफ्तारी वारंट संबंधी आदेश प्रसारित किया गया। प्राथमिकी के अनुसार, दूसरा मामला दो दिसंबर 2024 का है, जब सरकार बनाम संकेत सुरेश साटमह्व के नाम से न्यायाधीश के जाली हस्ताक्षर वाला संपत्ति की जब्ती से जुड़ा आदेश सोशल मीडिया पर सामने आया। प्राथमिकी में कहा गया है कि दोनों आदेश में न्यायाधीश को दिल्ली जिला अदालत में प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट के रूप में गलत रूप से अंकित किया गया था।

अयोध्या में हुई राम दरबार की प्राण-प्रतिष्ठा, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया दर्शन-पूजन

सूरत के कारोबारी ने हीरे के आभूषण दान किए, योगी बोले- मोदी आधुनिक भारत के भगीरथ

प्राण-प्रतिष्ठा

योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या स्थित राम मंदिर में श्री राम दरबार और अन्य देव विग्रहों के प्राण–प्रतिष्ठा कार्यक्रम में हिस्सा लिया और दर्शन–पूजन किया। गंगा दशहरा के अवसर पर राम मंदिर की पहली मंजिल पर मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम के दरबार और आठ विग्रहों की प्राण–प्रतिष्ठा के अवसर पर मुख्यमंत्री ने दर्शन–पूजन कार्यक्रम में भाग लिया।

एजेंसी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को अयोध्या में राम मंदिर में भव्य प्राण प्रतिष्ठा समारोह की अध्यक्षता की। अनुष्ठान सुबह 11 बजे शुरू हुआ और लगभग 45 से 50 मिनट तक चला, जिसमें पारंपरिक वैदिक मंत्रोच्चार और अनुष्ठान शामिल थे। यह कार्यक्रम 3 जून से शुरू हुए तीन दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा समारोह का अंतिम दिन था। आज अपना 53वां जन्मदिन मना रहे योगी आदित्यनाथ ने मंदिर के भूतल पर रामलला की आरती की। मंदिर के गर्भगृह में पूजा-अर्चना करने के बाद मुख्यमंत्री राम दरबार की प्राण प्रतिष्ठा के लिए मंदिर के प्रथम तल पर पहुंचे और वहां अनुष्ठान शुरू किया।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि 2014 के पहले की सरकारों ने विकास का जो मॉडल तैयार किया था उससे विकास तो नहीं हुआ बल्कि गंगा मैली हो गई। नमामि गंगे के माध्यम से किए गए भगीरथ प्रयासों के कारण ही आज गंगा अविरल और निर्मल हो सकी है। यही कारण है कि प्रयागराज में आयोजित हुए महाकुंभ में देश-दुनिया के 66 करोड़ लोगों ने गंगा स्नान किया।

मुख्यमंत्री ने किया दर्शन-पूजन

योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या स्थित राम मंदिर में श्री राम दरबार और अन्य देव विग्रहों के प्राण–प्रतिष्ठा कार्यक्रम में हिस्सा लिया और दर्शन–पूजन किया। गंगा दशहरा के अवसर पर राम मंदिर की पहली मंजिल पर मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम के दरबार और आठ विग्रहों की प्राण–प्रतिष्ठा के अवसर पर मुख्यमंत्री ने दर्शन–पूजन कार्यक्रम में भाग लिया।

विकास योजनाओं का किया लोकार्पण व शिलान्यास

मुख्यमंत्री योगी ने अयोध्या के रामकथा पार्क में 3038.50 लाख रुपये की लागत के 50 कार्यों का लोकार्पण किया। इस दौरान उन्होंने 3508.81 लाख के 92 विकास कार्यों का शिलान्यास किया। कार्यक्रम का आयोजन नगर निगम के दो वर्ष पूरे होने पर किया गया।

आधुनिक भारत के भगीरथ हैं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आधुनिक भारत का भगीरथ बताया। सीएम योगी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू की गई नमामी गंगे परियोजना की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले गंगा का जल प्रदूषित हो गया था। पिछली सरकारों द्वारा विकास के नाम पर अनियोजित और अवैज्ञानिक ढंग से कार्य करने के चलते गंगा पूरी तरह से प्रदूषित हो गई थीं। लेकिन नमामी गंगे के माध्यम से गंगा की अविरलता और निर्मलता को पुनर्स्थापित किया गया। प्रयागराज महाकुंभ में 66 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने इसकी निर्मलता का साक्षात्कार किया है।

प्रयागराज में 66 करोड़ लोगों ने किया गंगा स्नान, ये नमामि गंगे की सफलता

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि 2014 के पहले की सरकारों ने विकास का जो मॉडल तैयार किया था उससे विकास तो नहीं हुआ बल्कि गंगा मैली हो गई। नमामि गंगे के माध्यम से किए गए भगीरथ प्रयासों के कारण ही आज गंगा अविरल और निर्मल हो सकी है। यही कारण है कि प्रयागराज में आयोजित हुए महाकुंभ में देश-दुनिया के 66 करोड़ लोगों ने गंगा स्नान किया।

गंगा दशहरा का दिन है बेहद खास

हिंदू धर्म शास्त्रों के मुताबिक गंगा दशहरा वह दिन है जब राजा भगीरथ की तपस्या से प्रेरित होकर पवित्र नदी गंगा भगवान शिव की जटाओं से पृथ्वी पर उतरी थीं।

बेंगलुरु भगदड़ मामला : कर्नाटक हाई कोर्ट ने लिया स्वत:

संज्ञान, सीएम -डिप्टी सीएम के खिलाफ पुलिस कंप्लेन, एजी ने किया कार्रवाई का वादा

न्यायिक हस्तक्षेप की मांग करने वाले एक वकील ने कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश वी. कामेश्वर राव और न्यायमूर्ति सी.एम. जोशी की पीठ के समक्ष इस मामले का तत्काल उल्लेख किया।

एजेंसी

कर्नाटक हाई कोर्टने गुरुवार को बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर बुधवार शाम को हुई दुखद भगदड़ का स्वतः संज्ञान लिया, जिसमें 11 लोगों की मौत हो गई और कम से कम 56 लोग घायल हो गए। अदालत इस मामले की सुनवाई दोपहर 2.30 बजे करेगी। यह घटना रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की पहली आईपीएल खिताब जीत के जश्न के दौरान हुई, जहाँ टीम की सार्वजनिक उपस्थिति की प्रत्याशा में हजारों लोग एकत्र हुए थे। न्यायिक हस्तक्षेप की मांग करने वाले एक वकील ने कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश वी. कामेश्वर राव और न्यायमूर्ति सी.एम. जोशी की पीठ के समक्ष इस मामले का तत्काल उल्लेख किया। राज्य का प्रतिनिधित्व कर रहे महाधिवक्ता शशि किरण शेट्टी ने अदालत को आश्वासन दिया कि सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं और एक विस्तृत तथ्यात्मक रिपोर्ट प्रस्तुत की जाएगी। शेट्टी ने पीठ से कहा, ₹यह कोई विरोधात्मक मामला नहीं है। हम राज्य के किसी भी नागरिक की तरह चिंतित हैं। हम प्रस्तुत करेंगे कि क्या किया गया है और हम किसी भी सुझाव के लिए खुले हैं। इसके अलावा, आम आदमी पार्टी-कर्नाटक के राज्य युवा अध्यक्ष लोहित हनुमानपुरा ने केएससीए और स्टेडियम के सीईओ के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग करते हुए शिकायत दर्ज कराई।

सीएम और शीर्ष अधिकारियों के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज

घटना के बाद, कार्यकर्ताओं और राजनीतिक प्रतिनिधियों द्वारा कई शिकायतें दर्ज कराई गई हैं। सामाजिक कार्यकर्ता स्नेहमयी कृष्णा ने आईपीसी की धारा 106 के तहत कब्बन पार्क पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई, जिसमें कथित लापरवाही के लिए मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार और कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) के अधिकारियों का नाम लिया गया।

विश्व पर्यावरण दिवस पर पीएम मोदी ने लगाए पौधे

1971 युद्ध की नायिकाओं से किया वादा पूरा

यह पहल लोगों को अपनी माताओं के नाम पर पेड़ लगाने के लिए प्रोत्साहित करती है, जो प्रकृति के प्रति प्रेम और जिम्मेदारी का प्रतीक है। इस पहल के तहत, पीएम मोदी ने पहले 2024 में विश्व पर्यावरण दिवस पर दिल्ली के बुद्ध जयंती पार्क में पीपल का पौधा लगाया था, जिसमें पेड़ों और पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला गया था।

एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को विश्व पर्यावरण दिवस पर अपने आधिकारिक आवास 7 लोक कल्याण मार्ग पर पौधे लगाए। इस तरह उन्होंने कच्छ की अपनी हालिया यात्रा के दौरान किया गया वादा पूरा किया। इस यात्रा के दौरान 1971 के युद्ध में उल्लेखनीय साहस दिखाने वाली महिलाओं के एक समूह ने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की और उन्हें सिंदूर के पौधे भेंट किए। इस पहल से अभिभूत प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि वह अपने आवास पर पौधे लगाएंगे।मोदी ने एक्स पर लिखा कि 1971 के युद्ध में साहस और पराक्रम की अद्भुत मिसाल पेश करने वाली कच्छ की वीरांगना माताओं-बहनों ने हाल ही में गुजरात के दौरे पर मुझे सिंदूर का पौधा भेंट किया था। विश्व पर्यावरण दिवस पर आज मुझे उस पौधे को नई दिल्ली के प्रधानमंत्री आवास में लगाने का सौभाग्य मिला है। यह पौधा हमारे देश की नारीशक्ति के शौर्य और प्रेरणा का सशक्त प्रतीक बना रहेगा। इस वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस पर एक पेड़ माँ के नाम अभियान के दूसरे चरण की शुरूआत की गई है, जिसका लक्ष्य 5 जून से 30 सितंबर तक 10 करोड़ पेड़ लगाना है। यह पहल लोगों को अपनी माताओं के नाम पर पेड़ लगाने के लिए प्रोत्साहित करती है, जो प्रकृति के प्रति प्रेम और जिम्मेदारी का प्रतीक है। इस पहल के तहत, पीएम मोदी ने पहले 2024 में विश्व पर्यावरण दिवस पर दिल्ली के बुद्ध जयंती पार्क में पीपल का पौधा लगाया था।

न्याय नहीं, सिर्फ सत्ता की राजनीति का प्रतीक

नीतीश सरकार पर किस बात को लेकर भड़के राहुल गांधी

एजेंसी

राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा कि 20 साल तक सत्ता में रहने के बाद भी नीतीश जी की डबल इंजन सरकार न तो बिहार को सुरक्षा दे पाई, न सम्मान और न ही विकास। अपराध, बेरोजगारी और पलायन यही नीतीश-बीजेपी सरकार की असली पहचान बन चुकी है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बलात्कार पीड़िता की मां का इलाज करने वाले एक डॉक्टर की बेरहमी से पिटाई की कथित घटना को लेकर गुरुवार को बिहार में नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली सरकार की आलोचना की और कहा कि अपराध, बेरोजगारी और पलायन राज्य की सत्तारूढ़ सरकार की असली पहचान बन गए हैं। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने यह भी कहा कि बिहार में जे डी (यू)-बीजेपी सरकार सत्ता की राजनीति क । प्रतीक बन चुकी है।

और अन्याय के इस चक्र को तोड़ने और राज्य को सुरक्षा, स्वाभिमान और गरिमा के रास्ते पर आगे ले जाने का समय आ गया है। राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा कि 20 साल तक सत्ता में रहने के बाद भी नीतीश जी की डबल इंजन सरकार न तो बिहार को सुरक्षा दे पाई, न सम्मान और न ही विकास। अपराध, बेरोजगारी और पलायन यही नीतीश-बीजेपी सरकार की असली पहचान बन चुकी है। उन्होंने कहा कि जनता को लाचार बनाकर सत्ता से चिपके रहना ही इनका एजेंडा है। नीतीश सरकार न्याय नहीं, सिर्फ. सत्ता की राजनीति का प्रतीक बन गई है

रीवा में भीषण सड़क हादसा, ऑटो पर पलटा ट्रक, 7 यात्रियों की मौत

मध्य प्रदेश के रीवा जिले में भीषण सड़क हादसा, ऑटो सवार 7 यात्रियों की मौत, कई घायल.

एजेंसी

रीवा: मध्य प्रदेश के रीवा जिले में गुरुवार को बड़ा हादसा हो गया. सोहागी पहाड़ के पास चलते ऑटो पर सीमेंट की शीट से लदा ट्रक पलट गया. हादसे में ऑटो सवार 4 यात्रियों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई. जबकि हादसे में घायल अन्य दो लोगों ने अस्पताल ले जाते समय और एक ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया. ऑटो सवार सभी यात्री प्रयागराज से गंगा स्नान करके मऊगंज लौट रहे थे. इसी दौरान रीवा की ओर जा रहे सीमेंट की शीट से लदा ट्रक अनियंत्रित होकर ऑटो पर पलट गया. प्रयागराज से गंगा स्नान कर लौट रहे थे यात्रीदर असल, मऊगंज जिले के नइगढ़ी थाना क्षेत्र निवासी एक ही परिवार के लोग ऑटो में सवार होकर गंगा स्नान के लिए प्रयागराज गए हुए थे.

वंदे भारत ट्रेन का उमर अब्दुल्ला और जितेंद्र सिंह किया निरीक्षण

उमर अब्दुल्ला ने कहा कि आज प्रधानमंत्री वंदे भारत सेवा का उद्घाटन करेंगे और इससे हमें फायदा होगा। जब भी हाईवे बंद होता है, एयरलाइंस 5,000 रुपये की टिकटें 20,000 रुपये में बेचना शुरू कर देती हैं, ऐसे मुद्दे अब से हल हो जाएंगे।

एजेंसी

पीएम मोदी आज दिखाएंगे हरी झंडी

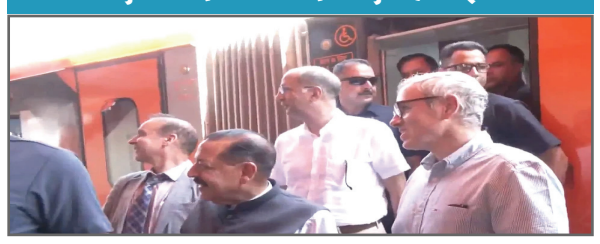

जम्मू-कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला और केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने पीएम मोदी के कल के दौरे से पहले कटरा रेलवे स्टेशन और वंदे भारत ट्रेन का निरीक्षण किया। पीएम मोदी कल कश्मीर के लिए पहली वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे। इस दौरान उमर अब्दुल्ला ने कहा कि अगर मैं आपसे कहूं कि मैं इस पल का लंबे समय से इंतजार कर रहा था, तो भी यह पर्याप्त नहीं होगा। यह रेल परियोजना तब शुरू हुई थी जब मैं 7वीं या 8वीं कक्षा में था। अब, मेरे बच्चों ने भी स्कूल और कॉलेज की पढ़ाई पूरी करने के बाद काम करना शुरू कर दिया है। लेकिन, देर आए दुरुस्त आए उमर अब्दुल्ला ने कहा कि कल प्रधानमंत्री वंदे भारत सेवा का उद्घाटन करेंगे और इससे हमें फायदा होगा। जब भी हाईवे बंद होता है, एयरलाइंस 5,000 रुपये की टिकटें 20,000 रुपये में बेचना शुरू कर देती हैं, ऐसे मुद्दे अब से हल हो जाएंगे। अपनी यात्रा के दौरान, प्रधानमंत्री मोदी चेनाब नदी से 359 मीटर ऊपर स्थित दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे आर्च ब्रिज, चेनाब ब्रिज का उद्घाटन करेंगे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर पंजाब पहुंचे कृषि मंत्री

किया पौधारोपण, किसानों को तकनीकी खेती अपनाने की सलाह

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पंजाब दौरे पर किसानों से संवाद किया, तकनीकी खेती को प्रोत्साहित किया और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया.

एजेंसी

पटियाला: केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान गुरुवार को एक दिवसीय दौरे पर पंजाब पहुंचे. इस दौरान उनके साथ पंजाब के कृषि मंत्री गुरमीत सिंह खुडियां और वैज्ञानिकों की एक टीम भी मौजूद रही. मंत्री का यह दौरा किसानों से सीधे संवाद, कृषि क्षेत्र में तकनीकी नवाचारों के प्रचार और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से किया गया. खेड़ी गंडियां गांव में खूंद चर्चा: आम के पेड़ों के नीचे किसानों से संवाद दौरे की शुरूआत पटियाला जिले के खेड़ी गंडियां गांव (राजपुरा) से हुई, जहां खूंद चर्चा नामक कार्यक्रम के तहत आम के पेड़ों की छांव में केंद्रीय मंत्री ने किसानों से सीधे बातचीत की. इस अनौपचारिक चर्चा में किसानों ने बीमा दावों में देरी, खाद-बीज की कमी और बिजली आपूर्ति की अनियमितताओं जैसे मुद्दे उठाए.

तंज लालू यादव पर प्रशांत किशोर का तंज

अपने 9वीं फेल बेटे को बिहार का राजा बनाना चाहते हैं

एजेंसी

किशोर ने बिहार के सारण में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि हमें लालू प्रसाद यादव से सीखना चाहिए कि बच्चों की चिंता कैसे की जाती है। लालू जी का बेटा 9वीं पास नहीं कर पाया, लेकिन लालू यादव अपने बच्चे के लिए इतने चिंतित हैं कि वे अभी भी चाहते हैं कि वह बिहार का राजा बने।

नयी दिल्ली। जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने गुरुवार को बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख अपने बेटे तेजस्वी यादव को बिहार का राजा बनाना चाहते हैं, जिन्होंने 9वीं कक्षा भी पास नहीं की है, जबकि आम लोगों के बच्चों को स्नातक करने के बावजूद नौकरी नहीं मिल रही है। राजद प्रमुख पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा कि वह केवल लालू यादव की प्रशंसा कर रहे हैं और लोगों को उनसे सीखना चाहिए कि अपने बच्चों की देखभाल कैसे करें। किशोर ने बिहार के सारण में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि हमें लालू प्रसाद यादव से सीखना चाहिए कि बच्चों की चिंता कैसे की जाती है। लालू जी का बेटा 9वीं पास नहीं कर पाया, लेकिन लालू यादव अपने बच्चे के लिए इतने चिंतित हैं कि वे अभी भी चाहते हैं कि वह बिहार का राजा बने। जब हम ऐसा कहते हैं, तो लोग कहते हैं कि हम उनकी शिकायत करते हैं। नहीं! हम लालू यादव की तारीफ कर रहे हैं। किशोर 'बिहार बदलाव यात्रा' के तहत सारण में हैं। उन्होंने आगे कहा, आप अपनी हालत देखिए। आपका बच्चा मैट्रिक पास कर चुका है और ग्रेजुएशन भी कर चुका है, लेकिन फिर भी उसे नौकरी नहीं मिल रही है, यहां तक कि चपरासी की नौकरी भी नहीं मिल रही है। इससे पहले 4 जून को सारण के तरैया इलाके में एक रैली के दौरान किशोर ने कहा था कि उनकी रैलियों को मिल रही जबर्दस्त प्रतिक्रिया बिहार में व्याप्त भ्रष्टाचार को लेकर जनता की साझा हताशा को दशार्ती है और बदलाव की सामूहिक इच्छा को दशार्ती है। आरजेडी प्रमुख पर कटाक्ष करते हुए प्रशांत किशोर कहा कि वह सिर्फ लालू यादव की तारीफ कर रहे हैं और लोगों को उनसे सीखना चाहिए कि अपने बच्चों की देखभाल कैसे करनी है। किशोर ने बुधवार को बिहार के सारण में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, ₹हमें लालू प्रसाद यादव से सीखना चाहिए कि बच्चों की चिंता कैसे करनी है। लालू जी का बेटा 9वीं पास नहीं कर पाया, लेकिन लालू यादव अपने बच्चे के लिए इतने चिंतित हैं कि वह अभी भी उसे बिहार का राजा बनाना चाहते हैं। जब हम ऐसा कहते हैं, तो लोग कहते हैं कि हम उनकी शिकायत करते हैं। नहीं! हम लालू यादव की तारीफ कर रहे हैं। प्रशांत किशोर 'बिहार बदलाव यात्रा' के तहत सारण में हैं। उन्होंने आगे कहा, आप अपनी हालत देखिए। आपका बच्चा मैट्रिक पास कर चुका है और स्नातक भी हो चुका है, लेकिन फिर भी उसे नौकरी नहीं मिल रही है, यहां तक कि चपरासी की भी नौकरी नहीं मिल रही है।

मूर्खता और विरोध की भी एक सीमा होती है, राहुल गांधी को सरेंडर वाले बयान पर भड़के किरेन रिजिजू

राहुल गांधी के सरेंडर वाले व्यंग ने पाकिस्तानी मीडिया में भी सुर्खियाँ बटोरीं, जिसमें आतंकवाद के खिलाफ भारत की हालिया कूटनीतिक पहल को चुनौती दी गई, जिसमें पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने झूठा दावा किया कि भारत ने स्वीकार कर लिया है कि उसने सरेंडर कर दिया है।

एजेंसी

नयी दिल्ली। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने ऑपरेशन सिंदूर के बाद घोषित संघर्ष विराम के संबंध में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर सरेंडर करने वाले बयान को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधा। राहुल गांधी ने मंगलवार को तब विवाद खड़ा कर दिया जब उन्होंने आरोप लगाया कि भारत-पाकिस्तान सैन्य संघर्ष के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के फोन के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सरेंडर कर दिया। उनकी टिप्पणी पर भारी प्रतिक्रिया हुई और भाजपा ने उन पर पाकिस्तान की भाषा बोलने का आरोप लगाया। राहुल गांधी के सरेंडर वाले व्यंग ने पाकिस्तानी मीडिया में भी सुर्खियाँ बटोरीं, जिसमें आतंकवाद के खिलाफ भारत की हालिया कूटनीतिक पहल को चुनौती दी गई, जिसमें पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने झूठा दावा किया कि भारत ने स्वीकार कर लिया है कि उसने सरेंडर कर दिया है। तीखी प्रतिक्रिया के बावजूद, कांग्रेस ने ट्रम्प की टअऋअ टोपी की एक तस्वीर पोस्ट करके टिप्पणी को और पुख्ता किया, जिस पर लिखा था, नरेंद्र सरेंडर। विवाद पर प्रतिक्रिया देते हुए किरण रिजिजू ने कहा, मूर्खता और विरोध की भी एक सीमा होती है! कांग्रेस पार्टी में कोई नहीं है जो उन्हें बताए कि विपक्षी पार्टी में होने का मतलब देश का विरोध करना नहीं है? उन्होंने पूर्व कांग्रेस नेता गुलाम नबी आजाद की प्रशंसा करते हुए एक पोस्ट को भी रीट्वीट किया, जिन्होंने राहुल गांधी की नीतियों की आलोचना की थी

सम्पादकीय

भारत को खुद कहनी होगी अपनी कहानी, अंतमुर्खी स्वभाव छोड़कर पूरे विश्व को अपना सरोकार बनाना होगा

पुरानी कहावत है कि जब झूठ आधी दुनिया घूम आता है तब सच अपने जूते पहन रहा होता है। भारतीय सेना के तीन डीजीएमओ ने तो प्रेस कांफ्रेंस में अपना पक्ष प्रभावी ढंग से रखा परंतु उसके पहले संवादहीनता के कारण ऐसी बातों को बढ़ावा मिला जिनके जरिये कहा गया कि अमेरिकी और चीनी मध्यस्थता के कारण भारत ने संघर्ष विराम किया। आपरेशन सिंदूर की समाप्ति के बाद कुहासे के बादल छट गए हैं। देश-विदेश के तमाम रक्षा विशेषज्ञ और उपग्रहों द्वारा लिए गए चित्रों से पुष्टि हुई कि यह संघर्ष पूरी तरह एकतरफा था और पाकिस्तान को बुरी तरह मुंह की खानी पड़ी। इस सैन्य संघर्ष में दुनिया ने भारत के स्वदेश निर्मित सैन्य उपकरणों की बेजोड़ क्षमताओं का लोहा भी माना।राजनीतिक इच्छाशक्ति, सैन्य शौर्य और रक्षा क्षेत्र की उद्यमशीलता ने आशा से अधिक प्रभावित किया है, परंतु इस कठिन समय में जो एक कमी खली, वह थी सूचना क्षेत्र में भारत की ढिलाई। अंतरराष्ट्रीय मीडिया में आपरेशन सिंदूर की बयानगी को लेकर न सिर्फ भारतीय चिंताओं की अनदेखी हुई, बल्कि पाकिस्तानी दावों को बिना जांचे-परखे आगे बढ़ाया गया। न्यूयार्क टाइम्स, सीएनएन, वालस्ट्रीट जर्नल, निक्केई एशिया, ब्लूमबर्ग आदि में भारत-पाकिस्तान सैन्य टकराव की ज्यादातर रिपोर्टिंग पाकिस्तानी पत्रकारों द्वारा की गई। समाचार एजेंसी रायटर्स ने तो एक ऐसे गुमनाम पाकिस्तानी लेखक सईद शाह के तीन लेख प्रकाशित किए, जो उस दौरान ही कार्यरत रहा। ये पाकिस्तानी पत्रकार केवल पाकिस्तान का झूठा प्रोपेगंडा ही आगे बढ़ाते रहे। कई पश्चिमी मीडिया माध्यम जाने-अनजाने उनसे प्रभावित भी होते रहे। हालांकि बाद में न्यूयार्क टाइम्स, वाशिंगटन पोस्ट आदि ने भारतीय दावों की पुष्टि की और इस संघर्ष को भारत की जीत बताया, परंतु युद्ध के दौरान जब मीडिया रिपोर्टिंग देशों के मनोबल और जनमत को प्रभावित करने की क्षमता रखती है, तब पहले चलाए गए झूठे प्रोपेगंडा की बाद में परिशुद्धि संभव नहीं हो पाती।यह पहली बार नहीं, जब अंतरराष्ट्रीय और खासकर पश्चिमी मीडिया ने भारत के प्रति पूर्वाग्रह दिखाया हो। भारत दशकों से आतंक की मार झेलता रहा है, लेकिन पश्चिमी मीडिया को वार आन ग्लोबल टेरर की याद 9/11 के बाद ही आई। भारत में चल रहे आतंकवाद को वह अब भी कश्मीर विवाद से जोड़कर या फिर भारत में बढ़ते उग्र राष्ट्रवाद की प्रतिक्रिया के रूप में ही देखता है। भाषा, संप्रदाय की दृष्टि से विविधता भरे देश में इतना सफल जनतंत्र होने के बावजूद भारतीय लोकतंत्र पर अनर्गल टिप्पणियां होती रहती हैं।अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में सफलता मिलने पर भारत को उलाहने मिलते हैं और यहां की समस्याओं को बढ़ा-चढ़ा कर पेश किया जाता है।

आज का विचार

अगर आप जिंदगी की दौड़ में
धीरे चलते हुए भी कभी रुके नहीं है
तो यकीन मानिये
आप सबसे तेज हैं

भारत संवाद

हरित भारत के प्रति समर्पित रेलवे, आर्थिक विकास और पर्यावरण के प्रति प्रतिबद्धता

भारत यह साबित कर रहा है कि आर्थिक विकास और पर्यावरण को लेकर प्रतिबद्धता की जिम्मेदारी एक साथ निभाई जा सकती है और ऐसा होना भी चाहिए। विश्व बैंक के लाजिस्टिक्स परफारमेंस इंडेक्स 2023 के अनुसार भारत अब 139 देशों में 38वें स्थान पर है जो 2014 की तुलना में 16 स्थान ऊपर है।

पा हर बार आप जब परिवहन के अन्य साधनों के बजाय रेलगाड़ी से यात्रा करने का चुनाव करते हैं, तो केवल आराम या सुविधा ही नहीं चुन रहे होते। आप एक स्वच्छ एवं हरित भारत को भी चुन रहे होते हैं। पिछले वर्ष 700 करोड़ से अधिक लोगों ने यात्रा के साधन के रूप में भारतीय रेल को चुना। रेल हमारी जीवन रेखा है और भविष्य के लिए एक हरित वादा भी।विश्व पर्यावरण दिवस पर भारतीय रेलवे सतत विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराता है। रेलवे देश को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिए गए पंचामृत लक्ष्यों–2070 तक शून्य उत्सर्जन को साकार करने में सहायता कर रहा है और एक बहुआयामी दृष्टिकोण के माध्यम से इसे संभव बना रहा है। यातायात को सड़क से रेल की ओर स्थानांतरित करके और स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा स्रोतों के साथ परिचालन को शक्ति प्रदान करके इस दिशा में बढ़ रहा है। ये कदम देश को बड़े पैमाने पर अर्थव्यवस्था को विकार्बनित (डीकाबोर्नाइज) करने में सहायता प्रदान कर रहे हैं।यात्रा सेवाओं के साथ ही माल ढुलाई में भी रेलवे की महत्ता समय के साथ बढ़ती जा रही है। 2013–14 में भारतीय रेल ने लगभग 105.5 करोड़ टन माल की ढुलाई की। 2024–25 के दौरान यह ढुलाई बढ़कर 161.7 करोड़ टन हो गई है। इससे भारतीय रेलवे दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा माल ढोने वाला रेलवे बन गया है। विशेषज्ञों द्वारा की गई गणनाओं का उपयोग करते हुए सड़क के बजाय रेल के जरिये माल ढुलाई से संबंधित इस बदलाव ने 14.3 करोड़ टन से अधिक कार्बन डाईआक्साइड के उत्सर्जन को रोकने में मदद की है।यह 121 करोड़ पेड़ लगाने जैसा है। रेल द्वारा माल परिवहन की लागत सड़क मार्ग से होने वाले परिवहन की लागत की लगभग आधी है। इसका अर्थ है कि न केवल व्यवसायों, बल्कि पूरी अर्थव्यवस्था के लिए बड़ी बचत। इस बदलाव से पिछले दशक में लाजिस्टिक्स की लागत में 3.2 लाख करोड़ रुपये की बचत हुई है। भारतीय रेल स्वच्छ भी है और ट्रकों की तुलना में इससे 90 प्रतिशत कम कार्बन डाईआक्साइड का उत्सर्जन होता है। परिणामस्वरूप हमारे आसमान में कम धुआं निकलता है और हमें स्वच्छ हवा मिलती है। सड़क से रेल की ओर होने वाले इस बदलाव ने हमें 2,857 करोड़ लीटर डीजल की बचत कराई है, जो ईंधन लागत में लगभग दो लाख करोड़ रुपये की बचत के बराबर है।चूंकि भारत तेल आयात करता है, इसलिए परिवहन क्षेत्र का विद्युतीकरण करना रणनीतिक रूप से एक समझदारी भरा कदम है, ताकि आयात पर निर्भरता कम हो। 2014 से पहले के 60 वर्षों में भारतीय रेल ने 21,000 किलोमीटर रेल मार्ग का विद्युतीकरण किया। जबकि पिछले 11 वर्षों के दौरान हमने 47,000 किमी रेल मार्ग का विद्युतीकरण किया है। आज हमारे ब्राड गेज नेटवर्क का 99 प्रतिशत हिस्सा विद्युतीकृत है। भारतीय रेल स्टेशनों, कारखानों और कार्यशालाओं के लिए हरित ऊर्जा का उपयोग तेजी से कर रहा है।अब यह रेलगाड़ियों के परिचालन के लिए अधिक हरित ऊर्जा प्राप्त करने हेतु राज्यों के साथ मिलकर काम कर रहा है। यह सब भारत को शुद्ध शून्य उत्सर्जन के अपने लक्ष्य को हासिल करने में सहायता देगा। इस गति को आगे बढ़ाते हुए डेडिकेटेड फ्रेट कारिडोर (डीएफसी) को विद्युतीकृत किया गया है। उच्च क्षमता वाली रेलवे लाइनें भी हैं, जिन्हें विशेष रूप से माल परिवहन के लिए डिजाइन किया गया है।कुल 2,741 किमी परिचालन के साथ डीएफसी ने सड़कों पर भीड़भाड़ कम की है और डीजल की खपत एवं कार्बन उत्सर्जन को भी घटाया है। भारत हाइड्रोजन संचालित ट्रेन जैसी आधुनिक, शून्य–उत्सर्जन तकनीक भी अपना रहा है। पहली ट्रेन हरियाणा के जींद और सोनीपत के बीच चलेगी और 2,600 यात्रियों को ले जाएगी। यह दुनिया की सबसे शक्तिशाली और सबसे लंबी हाइड्रोजन ट्रेन होगी।भारत यह साबित कर रहा है कि आर्थिक विकास और पर्यावरण को लेकर प्रतिबद्धता की जिम्मेदारी एक साथ निभाई जा सकती है और ऐसा होना भी चाहिए। विश्व बैंक के लाजिस्टिक्स परफारमेंस इंडेक्स 2023 के अनुसार भारत अब 139 देशों में 38वें स्थान पर है, जो 2014 की तुलना में 16 स्थान ऊपर है।रेलवे विद्युतीकरण के विस्तार ने लागत और उत्सर्जन को कम किया है। इसने गति और क्षमता भी बढ़ाई है, जिससे भारत को विश्वस्तरीय लाजिस्टिक्स मानकों के निकट पहुंचने में मदद मिली है। प्रधानमंत्री मोदी ने भारतीय रेलवे के लिए शुद्ध शून्य उत्सर्जन हासिल करने के लिए 2030 का लक्ष्य तय किया है।तेजी से हो रहे विद्युतीकरण और बड़े पैमाने पर माल को सड़क से रेल की ओर स्थानांतरित करने के कारण भारतीय रेलवे 2025 तक ही नेट जीरो (स्कोप 1) हासिल करने की ओर अग्रसर है। चूंकि भारतीय रेलवे सतत विकास के साथ पर्यावरण का भी ध्यान रख रहा है, इसलिए हर विद्युतीकृत ट्रैक, हर सौर पैनल और सड़क से हटा प्रत्येक मालवाहक कंटेनर हमारे लोगों और हमारी धरती के उज्जवल भविष्य के प्रति एक शपथ है।

राशिफल

मेष राशि: अपनी सेहत के प्रति सचेत रहें, क्योंकि आपको अत्यधिक तले भुने भोजन से परहेज रखना होगा, नहीं तो आप किसी बीमारी को दावत दे सकते हैं और आप अपने दिनचर्या में योग व्यायाम को बनाए रखें.

वृष राशि : आपके लिए कुछ कठिनाई भरा रहने वाला है. प्रेम जीवन जी रहे लोग साथी के प्रेम में डूबे नजर आएंगे व उनके साथ रोमानी दिन व्यतीत करेंगे, लेकिन आपके साथी आपसे किसी बात को लेकर नाराज हो सकते हैं. आपको माता-पिता का पूरा सहयोग मिलेगा, लेकिन यदि आप से कोई गलती हुई है

मिथुन राशि: आपको किसी बात को लेकर तनाव बना रहेगा, जो व्यर्थ होगा. आपको आपके स्वभाव में भी कुछ चिड़ापन देखने को मिलेगा, जिससे परिवार के सदस्य भी परेशान रहेंगे. आपकी किसी तर्क-वितर्क व लड़ाई-झगड़े में पड़ने से बचना होगा.

कर्क राशि: आपके लिए सावधानी व सतर्कता बरतने के लिए रहेगा. यदि आप किसी संपत्ति संबंधित विवाद को लेकर परेशान चल रहे हैं, तो उसमें आप किसी आप बड़े सदस्यों से बातचीत कर सकते हैं

सिंह राशि : आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है. आपको अपने किसी पुराने लिए गए निर्णय के लिए पछतावा होगा. कार्यक्षेत्र में विपरीत परिस्थितियों से आप निकलने में कामयाब रहेंगे और आपके कुछ विरोधी आपके ऊपर हावी होने की कोशिश करेंगे, जिनसे आपको बचना होगा.

कन्या राशि : आपके लिए किसी नए काम की शुरूआत के लिए बेहतर रहने वाला है. कार्यक्षेत्र में आपके ऊपर काम का बहुत जा सकता है, लेकिन आप अपनी जिम्मेदारियों को समय रहते पूरा करने में कामयाब रहेंगे और बैंकिंग क्षेत्रों में कार्यरत लोग बचत की योजनाओं पर पूरा ध्यान लगाएंगे.

तुला राशि: आपके लिए कुछ खर्चा भरा रहने वाला है, लेकिन आपको किसी से धन उधार लेने से बचना होगा, नहीं तो आप अपने संचय धन को भी काफी हद तक समाप्त कर देंगे.

वृश्चिक राशि: आपको लिए कुछ परेशानी भरा रहने वाला है. आप अपनी माता जी के स्वास्थ्य में चल रही समस्याओं को लेकर परेशान रहेंगे और व्यापार में भी मन मुताबिक लाभ न मिलने से आपका मन थोड़ा परेशान रहेगा

धनु राशि: आपके लिए सामान्य रहने वाला है. आपको अपने मन में नकारात्मक विचारों को लाने से बचना होगा, नहीं तो आप परेशान रहेंगे. आप परोपकार के कार्यों में भी पर चढ़कर हिस्सा लेंगे.

मकर राशि: आपके लिए लंबे समय से चल रही समस्याओं से छुटकारा दिलाने वाला रहेगा. आप अपने मित्रों के साथ कुछ समय मौज मस्ती में व्यतीत करेंगे और आप साझेदारी में किसी काम को करने की योजना बना सकते हैं. माता-पिता से आप किसी जरूरी बात को लेकर विचार विमर्श कर सकते हैं.

कुंभ राशि: व्यापार कर रहे लोगों को उम्मीद से ज्यादा लाभ दिलाने वाला रहेगा. आपको यदि कार्यक्षेत्र में कुछ समस्या चल रही थी, तो उनसे आपको काफी हद तक निजात मिलेगी, लेकिन आप किसी व्यक्ति के कहने में आकर कोई बात विवाद में ना पड़े, नहीं तो आपको नुकसान हो सकता है. आप यदि ससुराल पक्ष के किसी व्यक्ति को धन उधार द

मीन राशि : बिजनेस कर रहे लोगों के लिए कुछ उतार-चढ़ाव लेकर आएगा, उन्हें अपने निवेश की योजनाओं पर विराम लगाना होगा और आपके अंदर एक्स्ट्रा एनर्जी रहने के कारण आप उसे इधर-उधर के कामों में ना लगाकर अपने कामों पर फोकस बनाए रखें. परिवार के सदस्यों के साथ बैठकर आपको चल रहे आपसे वाद विवाद पर बातचीत करनी होगी और इसके साथ-साथ आप अपने स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें, नहीं तो बात कोई समस्या हो सकती है.

ज्योतिष सेवा केन्द्र
ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

देश के भविष्य नन्हे बच्चों का कुपोषण? संवेदन शून्यता

संजीव ठाकुर

ऐसे में मनुष्य के चांद पर जाने का क्या फायदा जब भूखा नन्हा बच्चा गोल चांद को पृथ्वी से निहार कर गोलाकार रोटी समझ खाने के लिए ललचा जाता हो और माँ से कहता है माँ क्यों न हम रोटियों के पेड़ लगाएं और रोटी तोड़ें आम तोड़ें खाएं।

पूरा विश्व आज नन्हे बच्चों के कुपोषण का शिकार है। वैश्विक स्तर पर बच्चों के कुपोषण अल्प पोषण स्तिथि चिंतनीय हो चुकी है। भारत मे सबसे ज्यादा महाराष्ट्र,बिहार, गुजरात और मध्यप्रदेश में बच्चों के कुपोषण का प्रतिशत है और ये राज्य देश के विकसित प्रदेशों में माने जाते हैं।

बच्चे देश के भविष्य होते है यदि देश का भविष्य ही कुपोषित रहेगा, कमजोर रहेगा तो सशक्त राष्ट्र की कल्पना करना बेमानी होगा भारत में बच्चों के भुखमरी तथा कुपोषण एक बड़े अभिशाप की तरह सामने आ रहे हैं यह देश की एक प्रमुख समस्या भी है देश में कुपोषण से बच्चे यानी आने वाले कल के जिम्मेदार नागरिकों की हालत बहुत ज्यादा चिंताजनक है सरकारी आंकड़ों के अनुसार देश के 34 राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों में 33 लाख बच्चे कुपोषण के शिकार है और इनमें 50% बच्चे गंभीर रूप से कुपोषित होकर बीमारी को झेल रहे हैं देश में भले ही जोर शोर से बाल दिवस हर साल मनाया जाता है और उसी पर करोड़ों खर्च कर दिया जाता है देश में एक महिला तथा बाल विकास मंत्रालय अलग खोल के रखा गया है, पर बच्चों के कुपोषण पर नियंत्रण नहीं पाया जा सका है ऐसी क्या वजह है की नौनिहालों के पोषण के लिए केंद्र या राज्य सरकार के पास इतने संसाधन होने के बावजूद धन मुहैया नहीं हो पाता है मलेरिया, टीबी और ना जाने अन्य कितनी बीमारियों पर भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय ने अरबों रुपए खर्च कर दिए हैं, पर जो भारत की मुख्य रीढ़ की हड्डी है यानी कि आने वाले कल के नागरिक वर्तमान के बच्चे यदि कुपोषित हैं तो यह अत्यंत चिंतनीय, सोचनीय तथा विचारणीय पहलू है सरकारी एजेंसियों द्वारा एक आर,टी,आई के जवाब में बताया गया कि 34 राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों संकलित आंकड़ों के मुताबिक 34 लाख बच्चे कुपोषित पाए गए हैं इनमें सबसे ज्यादा महाराष्ट्र बिहार गुजरात और मध्यप्रदेश है विगत वर्षों में करोना संक्रमण के कारण भी बच्चे कुपोषित हुए हैं और आने वाले कल के दिन में भी और बच्चों के कुपोषण कथा मृत्यु की आशंका बढ़ गई है सरकारी आंकड़ों के हिसाब से 22 लाख बच्चे बहुत ज्यादा कुपोषित है एवं शेष 18 लाख बच्चे अल्प कुपोषित हैं जब अरबों रुपए अन्य बीमारियों के संक्रमण में लगाए जा सकते हैं तो एक अभियान के तहत बच्चों के कुपोषण को दूर करने के लिए भी मैराथन प्रयास किए जाने चाहिए जिससे बच्चे तो कम से कम कुपोषित ना हो वैसे भारत कुपोषण के मामले में वैश्विक स्तर पर बांग्लादेश तथा पाकिस्तान से भी पीछे है उसका नंबर 101वां है, ऐसे हालात में महिला तथा बाल विकास को महिलाओं तथा बच्चों के लिए ही एक विशेष अभियान चलाकर उन्हें कुपोषित होने से बचाना होगा पोषण ट्रैकर के हवाले से बताया गया कि सिर्फ महाराष्ट्र में ही कुपोषित बच्चों की संख्या छह लाख दर्ज की गई है जिनमें 1,57 लाख बच्चे अल्प कुपोषित तथा 4,58 लाख बच्चे गंभीर रूप से कुपोषित हैं। दूसरे नंबर पर बिहार प्रदेश आता है जहां 5लाख कुपोषित बच्चे और तीसरे नंबर पर गुजरात प्रदेश होता है जहां 3:30 लाख बच्चे कुपोषित हैं महाराष्ट्र बिहार गुजरात और मध्य प्रदेश बहुत सक्षम और देश के बड़े राज्य हैं, यहां पर स्वास्थ्य विभाग पर अरबों रुपए खर्च किए जाते हैं, फिर ऐसी क्या वजह है कि बच्चों के कुपोषण की दर इतनी ज्यादा तथा चिंताजनक हो गई है कुपोषित बच्चे भी बड़े होते हैं तो वह कई बीमारियों को लेकर धीरे-धीरे बढ़ते हैं और इससे उनकी लंबाई तथा स्वास्थ्य पर बहुत ज्यादा असर पड़ता है देश के 34% कुपोषित बच्चों का कद औसत कद से बहुत कम हो जाता है 21% बच्चे जो कुपोषण के कारण यदि वह बच भी जाते हैं तो उनका वजन अत्यंत कम हो जाता है

ऐसे कम लंबाई तथा कम वजन के बेचारे बच्चे देश का क्या भविष्य बना पाएंगे या देश में अपना योगदान क्या दे पाएंगे। इसीलिए भारत सरकार राज्य सरकारों को कम से कम बच्चों की तरफ तो ज्यादा से ज्यादा ध्यान देने की आवश्यकता होगी वैश्विक भूख सूचकांक(ग्लोबल हंगर इंडेक्स) के आंकड़ों के हिसाब से 2021 में भारत 116 देशों में 101 वें स्थान पर पहुंच गया है इस मामले में हम अपने पड़ोसी देशों पाकिस्तान, बांग्लादेश, भूटान और नेपाल से काफी पीछे है इस मामले में भारत 2020 में ग्लोबल हंगर इंडेक्स के अनुसार 94 वें स्थान में था, और आज की स्थिति में 101 वे स्थान में पहुंच गया है। इसका सीधा सीधा मतलब है कि हर वर्ष कुपोषण से शिकार बच्चों की संख्या बेतहाशा बढ़ रही है। कुपोषण के मामले में भारत की राजधानी दिल्ली भी पीछे नहीं है दिल्ली प्रदेश की स्थिति भी चिंताजनक है अधिकारी और मंत्री भले बड़े-बड़े दावे करने में पीछे नहीं हटते हैं पर बच्चों की स्थिति चिंताजनक है,दिल्ली में ही 2 00लाख बच्चे कुपोषित हैं, आंध्र प्रदेश में 2,70लाख बच्चे कुपोषित हैं, कर्नाटक में 2,5 लाख बच्चे उत्तर प्रदेश में 19लाख बच्चे,तमिलनाडु में 1,80लाख ,असम में 1,80लाख और तेलंगाना में 1,60 लाख बच्चे कुपोषण की स्थिति में जी रहे हैं। इस देश में जहां अरबों रुपए सरकार के 40 से ज्यादा विभागों में सालाना खर्च किए जा रहे हैं, तो यह स्वास्थ्य विभाग में विशेष तौर पर बच्चों के लिए खर्च करने रिसर्च करने और उन पर विशेष ध्यान देने में कोताही क्यों बरती जा रही है। यह तथ्य न सिर्फ चिंतनीय है बल्कि स्वास्थ विभाग की कार्यप्रणाली पर प्रश्नचिन्ह खड़ा करता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी महिला तथा बालकों के विकास के लिए विशेष अभियान चलाकर उनके स्वास्थ्य की रक्षा हेतु निर्देशित किया है। वैश्विक आंकड़े भी यही बताते हैं कि बच्चों को जो कि किसी भी देश का भविष्य होते हैं कुपोषण से हर तरह से सुरक्षित किया जाना सुनिश्चित करना होगा ,अन्यथा ये कुपोषित बच्चे ही आगे चलकर देश के नागरिक नागरिक बनेंगे।ऐसे में आप स्थिति की कल्पना कर सकते हैं

बदलाव का वाहक बनती मधुमक्खियां

विजय गर्ग

गांव की किसी पगडंडी पर चलते हुए दूर से आती भनभनाहट और रंग-बिरंगी मधुमक्खियों की कतार देख कर बहुत से लोग शायद यही सोचें कि यह प्रकृति का कोई सामान्य दृश्य है मगर यही मधुमक्खियां अब ग्रामीण भारत में बदलाव की नई तस्वीर बना रही हैं।

मधुमक्खी पालन ऐसा व्यवसाय है, जिसमें रोजगार, पर्यावरण संतुलन, कृषि उत्पादकता और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की संभावनाएं घुली हुई हैं। ये संभावनाएं केवल शहद बेचने तक सीमित नहीं, बल्कि एक पूरी मूल्य श्रृंखला का निर्माण करती हैं जो भारत को 'मीठी क्रांति' की ओर ले जा सकती हैं। भारत में मधुमक्खी पालन की परंपरा कोई नई नहीं है, लेकिन जिस रूप में अब यह वैज्ञानिक, संगठित और व्यावसायिक स्तर पर सामने आ रही है, वह पिछले कुछ दशकों की मेहनत और जागरूकता का परिणाम है।

देश में शहद का उत्पादन 1.33 लाख मीट्रिक टन तक पहुंच चुका है। यही नहीं, भारत से शहद का निर्यात भी अब 50 से अधिक देशों में हो रहा है जिससे 750 1750 करोड़ रुपए 5 रुपए से अधिक की विदेशी मुद्रा अर्जित हो रही है। आंकड़े केवल व्यापार की कहानी नहीं सुनाते, ये एक नई आजीविका, आत्मनिर्भरता और जैव विविधता की संभावनाओं का द्वार खोलते हैं। मधुमक्खी पालन की सबसे बड़ी खूबी यह है कि यह डु यह बहुत कम निवेश में शुरू हो सकता है। किसी भी उम्र, वर्ग और शिक्षा का व्यक्ति इसे सीख कर अपना काम शुरू कर सकता है। देश के कई हिस्सों में इस व्यवसाय ने बेरोजगार युवाओं, छोटे किसानों, महिलाओं और आदिवासियों को एक स्थायी और सम्मानजनक आय का माध्यम दिया है। झारखंड, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, बिहार, पश्चिम बंगाल और उत्तर पूर्वी राज्यों में अब यह एक मजबूत ग्रामीण उद्यम बन कर उभरा है। राष्ट्रीय मधुमक्खी पालन और शहद मिशन (एनबीएचएम) जैसी योजनाएं भी इस दिशा में मील का पत्थर साबित हुई हैं। वर्ष 2020 में आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत इसके लिए 500 करोड़ रुपए का विशेष पैकेज घोषित किया गया। इससे प्रशिक्षण, उपकरण, कालोनी वितरण, गुणवत्ता नियंत्रण और विपणन के लिए सुदृढ़ संरचना विकसित की जा रही है।

मधुमक्खी पालन का एक बड़ा वैज्ञानिक पहलू यह भी है कि 5 यह केवल शहद के लिए नहीं, बल्कि परागण के लिए भी अत्यंत जरूरी है। शोध बताते हैं कि जिन खेतों में मधुमक्खियों की उपस्थिति होती है, वहां फसलों की उत्पादकता में 15 से 40 फीसद तक की वृद्धि देखी जाती जाती है।।इसका सीधा लाभ किसानों को होता है, क्योंकि बिना किसी अतिरिक्त लागत के उसकी फसल अधिक फलने-फूलने लगती है। सरसों, सूरजमुखी, तिल, सेब, अमरूद, मूंगफली और खीरा जैसी कई फसलें ऐसी हैं जो मधुमक्खियों की मदद के बिना बेहतर उपज नहीं दे सकतीं। यानी मधुमक्खी न केवल शहद देती है, बल्कि किसान की जमीन भी उपजाऊ बना देती है। इतना ही नहीं, मधुमक्खी पालन से मोम, जेली और मधु पराग जैसे उच्च मूल्य वाले उत्पाद भी मिलते हैं, जिनका उपयोग औषधि, सौंदर्य प्रसाधन, खाद्य पूरक और आयुर्वेदिक दवाओं में होता है। मोम से बनी मोमबत्तियां, साबुन और क्रीम अब शहरी बाजारों उच्च मांग वाले उत्पाद बन चुके हैं।

भारत में शहद की मांग लगातार बढ़ रही है, विशेषकर कोविड के बाद जब लोग प्रतिरक्षा बढ़ाने के लिए प्राकृतिक विकल्पों की ओर मुड़े आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति में शहद को 'योगवाहि' कहा गया है, जो अन्य औषधियों को शरीर में पहुंचाने में सहायक होता है। यही नहीं, 'फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथारिटी आफ इंडिया' यानी भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण ने भी शुद्ध शहद के लिए नए मानक तय कर दिए हैं

बंदियों को जेल में मिले साफ हवा और उत्तम स्वास्थ्य-दारा सिंह चौहान

कारागार मंत्री ने जिला कारागार में किया ओपन जिम का उद्घाटन एवं पौधरोपण

भारत संवाद

- बंदियों के कल्याण के लिए लाइब्रेरी, पीसीओ, समयपूर्व रिहाई, कॉमन हॉल, कैण्टीन, दूरस्थ शिक्षा, क्रेच और धार्मिक त्योहारों का आयोजन जैसे कदम उठाए जा रहे हैं

लखनऊ : विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर प्रदेश के कारागार मंत्री दारा सिंह चौहान ने जिला कारागार लखनऊ में पौधरोपण किया तथा नवनिर्मित ओपेन जिम का उद्घाटन किया। जिला कारागार लखनऊ में सौभाग्य फाउंडेशन द्वारा आयोजित पौधरोपण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग कर उन्होंने कारागार परिसर में आम का पौधा लगाया। इसी क्रम में महानिदेशक कारागार श्री पी0सी0मीना एवं उप महानिरीक्षक कारागार श्री रामधानी ने भी पौधरोपण किया।कारागार मंत्री ने कहा कि प्रधानमन्त्री नरेंद्र मोदी जी पर्यावरण संरक्षण, मानव स्वास्थ्य के प्रति अत्यंत संवेदनशील हैं और उनके द्वारा पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए विभिन्न पहल की जा रही है। उन्होंने कहा कि मा0 प्रधानमंत्री जी तथा मा0 मुख्यमंत्री जी द्वारा शुरू की गई पहल एक पेड़ मां के नाम को आगे बढ़ाना हम सभी का दायित्व है।

सात सदस्यों के साथ आत्महत्या करने वाले पंचकूला के मित्तल परिवार मंत्री नन्दी ने की मुलाकात , व्यक्त की शोक संवेदना

कर्ज के बोझ तले दबे व्यापारी परिवार द्वारा आत्महत्या किए जाने की घटित हुई थी घटना

भारत संवाद

- मंत्री नन्दी ने घटना को स्तब्ध करने वाला बताया
- मंत्री नन्दी ने व्यापारियों से की अपील, कहा किसी भी स्थिति में प्राणघातक कदम न उठाएं
- हर सम्भव मदद का जताया भरोसा

हरियाणा के पंचकूला में पिछले दिनों एक व्यापारी परिवार के सात सदस्यों द्वारा जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या किए जाने की घटना से दुखी और स्तब्ध उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने गुरूवार को पंचकूला जाकर शोक संतप्त परिवार जनों से मुलाकात की। शोक संवेदना व्यक्त किया।ढांढस बंधाया।वहीं घटना को अति दुखद एवं स्तब्ध करने वाला बताया। श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए मंत्री नन्दी ने हर सम्भव मदद का भरोसा जताया।हरियाणा के पंचकूला में 27 मई को कर्ज के बोझ तले दबे व्यापारी प्रवीण मित्तल ने अपने पिता देशराज मित्तल, मां विमला देवी, पत्नी रीना गुप्ता, बेटे हार्दिक, बेटी ध्रुविका और डेलिसा के साथ जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या की घटना को अंजाम दिया।सभी के शव कार में मिले थे। घटना का कारण कर्ज का बोझ बताया गया था। व्यापारी परिवार द्वारा आत्महत्या किए जाने की घटना की जानकारी होने पर मंत्री नन्दी गुरूवार को हरियाणा के पंचकूला में पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचे। मंत्री नन्दी ने शोक संतप्त परिजनों से मिल कर शोक संवेदना व्यक्त किया। ढांढस बंधाया। साथ के लिए भरोसा जताया। हर सम्भव मदद का वादा किया। वहीं मृतकों के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित की। इस विपत्ती की घड़ी में हम सभी पंचकूला के मित्तल परिवार के साथ हैं। मंत्री नन्दी ने कहा कि एक ही परिवार के सात सदस्यों द्वारा आत्महत्या किए जाने की घटना ने हर किसी को स्तब्ध किया है। मर्माहत किया है।बहुत कुछ सोचने को विवश किया है।मंत्री नन्दी ने कहा कि व्यापारी भाईयों से अपील है कि विपत्ती चाहे कितनी बड़ी क्यों न हो. हार न मानें। प्राणघातक कदम न उठाएं। किसी भी विपरीत स्थिति में हार मानना समस्या का समाधान नहीं है। पंचकूला के व्यापारी परिवार में घटित हृदय विदारक घटना से पूरा समाज शोकाकुल है। बच्चों का उज्जवल भविष्य था। आज अगर वे जीवित होते तो कल बड़ा मुकाम हासिल करते।

फास्ट ट्रैक

थाना अहरौरा पुलिस द्वारा 750 ग्राम अवैध गांजा के साथ 02 अभियुक्त गिरफ्तार

भारत संवाद

सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों के विरूद्ध कार्यवाही तथा अवैध मादक पदार्थों की तस्करी व बिक्री पर अंकुश लगाते हुए तस्करी में संलिप्त अभियुक्तों की गिरफ्तारी एवं प्रभावी कार्यवाही करने हेतु जनपद के समस्त प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्षगण को निर्देश दिये गये हैं । उक्त निर्देश के अनुक्रम में दिनांकः 04.05.2025 को उप-निरीक्षक अमर नाथ यादव व उप निरीक्षक महेन्द्र कुमार मय पुलिस टीम क्षेत्र की देखभाल व गश्त/चेकिंग में मामूर थे कि इस दौरान थाना अहरौरा क्षेत्रान्तर्गत ग्राम अधवार से 02 नफर अभियुक्तगण 1. लक्ष्मण प्रसाद मोदनवाल पुत्र स्व0 लालमन मोदनवाल निवासी ग्राम अधवार थाना अहरौरा जनपद मीरजापुर के कब्जे से 400 ग्राम अवैध गाँजा व 2. पप्पू उर्फ संजय तिवारी पुत्र भगौती तिवारी निवासी ग्राम अधवार थाना अहरौरा जनपद मीरजापुर के कब्जे से 300 ग्राम अवैध गाँजा (कुल 750 ग्राम गांजा) के साथ गिरफ्तार किया गया । उक्त गिरफ्तारी व बरामदगी के सम्बन्ध में थाना अहरौरा पर मु0अ0सं0-119/2025 व मु0अ0सं0- 120/2025 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट पंजीकृत कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए गिरफ्तार अभियुक्त को मा0न्यायालय/जेल भेजा गया ।

थाना को0देहात पुलिस द्वारा दो पक्षों के मध्य जमीन सम्बन्धी मारपीट के अभियोग से सम्बंधित कुल 04 अभियुक्त गिरफ्तार

भारत संवाद

थाना को0देहात, जनपद मीरजापुर पर दिनांकः 03.06.2025 को दो पक्षों द्वारा जमीन सम्बन्धी विवाद में मारपीट कर दोनों पक्षों से कुछ लोगो को गंभीर रूप से घायल करने के सम्बन्ध में लिखित तहरीर दी गयी ।प्राप्त तहरीर के आधार पर दोनों पक्षों का थाना को0देहात पर मु0अ0सं0-232/2025 धारा 115(2),352,351(2),110,3(5) बीएनएस व 7 सीएलए तथा मु0अ0सं0- 233/2025 धारा 115(2), 352, 351(2),110,3(5) बीएनएस व 7 सीएलए पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गयी ।सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा उक्त प्रकरण को गंभीरता पूर्वक लेते हुए संलिप्त अन्य अभियुक्तों की गिरफ्तारी करने हेतु क्षेत्राधिकारी सदर के नेतृत्व में प्रभारी निरीक्षक को0देहात को निर्देश दिए गये ।

थाना अहरौरा पुलिस द्वारा 02 नफर वारण्टी गिरफ्तार

भारत संवाद

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मीरजापुरसोमेन बर्मा द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना अहरौरा पुलिस द्वारा 02 नफर वारण्टी को गिरफ्तार किया गया । आज दिनांकः 05.06.2025 को उप निरीक्षक संजय सिंह मय पुलिस टीम द्वारा 02 नफर वारण्टी 1. दुधनाथ पुत्र स्व0 बाबूलाल निवासी मुधुपुर थाना राबर्टगंज जनपद सोनभद्र 2. रामनरेश पुत्र रामधनी निवासी खमहरिया थाना राबर्टगंज जनपद सोनभद्र को उनके घर से गिरफ्तार कर मा0न्यायालय में प्रस्तुत किया गया ।

थाना को0शहर पुलिस द्वारा नाजायज चाकू के साथ अभियुक्त गिरफ्तार

भारत संवाद

सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों के विरूद्ध तथा अवैध शस्त्रों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान में कड़ी कार्यवाही करने हेतु जनपद के समस्त थाना प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्षगण को निर्देश दिये गये है । उक्त निर्देश के अनुक्रम में दिनांकः05.06.2025 थाना को0शहर पुलिस टीम देखभाल क्षेत्र/गश्त में मामूर थे कि इस दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति सत्यम श्रीवास्तव पुत्र रामजी श्रीवास्तव निवासी रमईपट्टी थाना को0शहर जनपद मीरजापुर को गिरफ्तार किया गया, जिसके पास से एक अदद नाजायज चाकू बरामद हुआ ।

महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे ने अंतर्राष्ट्रीय रेल समपार जागरूकता दिवस के अवसर पर संरक्षा जागरूकता के लिए रवाना की मोबाइल वीडियो वैन

भारत संवाद

आज अंतर्राष्ट्रीय रेल समपार जागरूकता दिवस (ILCAD) के उपलक्ष्य पर, महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे श्री उपेंद्र चंद्र जोशी ने प्रमुख मुख्य संरक्षा अधिकारी तथा अन्य विभागाध्यक्षों के साथ समपारों के बारे में संरक्षा जागरूकता प्रसारित करने के लिए एक मोबाइल वीडियो वैन को हरी झंडी दिखाकर उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय से रवाना किया। इस अवसर पर महाप्रबंधक श्री जोशी ने कहा कि मोबाइल वीडियो वैन के माध्यम से सड़क उपयोगकताओं को लेवल क्रॉसिंगों की महत्ता एवं सुरक्षा सावधानियों के बारे में जागरूक किया जाएगा।उन्होंने कहा कि बंद रेल फाटकों को पार करते समय सभी को सावधानी बरतनी चाहिए क्योंकि एक छोटी सी चूक कभी-कभी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है। उन्होंने इसी क्रम में रेल समपारों के उन्मूलन, गेटों की इंटरलॉकिंग, तथा आरओबी/ आरयूबी के निर्माण पर भी बल दिया। अगले 45 दिनों के दौरान, यह मोबाइल वैन सड़क उपयोगकताओं को समपार संबंधी सुरक्षा सावधानियों के बारे में शिक्षित करने के लिए उत्तर मध्य रेलवे के तीनों मंडलों में विभिन्न महत्वपूर्ण स्थानों को कवर करेगी। टीवी और ऑडियो विजुअल सिस्टम वाली यह मोबाइल वैन स्कूलों, लेवल क्रॉसिंगों , गांवों, पंचायतों, तहसीलों, आसपास के बाजारों आदि को कवर करेगी। वैन में जागरूकता प्रसारण के लिए कई लघु फिल्में बनाई गई हैं जिनमें 'लेवल क्रॉसिंगों को सावधानी से कैसे पास करें' 'ट्रैक पर मवेशियों को ना ले जाने', 'ट्रेन की छत और फुट बोर्ड पर यात्रा ना करेंह्ण, 'यात्रा के दौरान कभी भी अजनबी से खाने-पीने की चीजें स्वीकार नहीं करना', 'ट्रेन में ज्वलनशील सामग्री नहीं ले जाना' आदि जैसे विषयों को शामिल किया गया है ।वैन की पूरी यात्रा के दौरान उत्तर मध्य रेलवे के सेफ्टी काउंसलर साथ रहेंगे और विषय की बेहतर समझ प्रसारित करने के लिए सड़क उपयोगकताओं के बीच पैम्फलेट पोस्टर और स्टिकर वितरित करेंगे। इसके अतिरिक्त अंतर्राष्ट्रीय रेल समपार जागरूकता दिवस के उपलक्ष्य में उत्तर मध्य रेलवे के अधिकारी एवं संरक्षा कर्मी स्कूलों/ कॉलेजों/ग्राम पंचायतों का भी दौरा कर रहे हैं।सोशल मीडिया जैसे व्हाट्सएप, एक्स, इंस्टाग्राम, एसएमएस, आदि के माध्यम से भी जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गौ-आश्रय स्थलों में निराश्रित गोवंशों को आवश्यक सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं को सुनिश्चित किये जाने के सम्बंध में बैठक सम्पन्न

गौशालाओं में सीसीटीवी कैमरा लगाकर उसकी जिला स्तर से भी मानीटरिंग कराये जाने के दिए निर्देश

- जिलाधिकारी ने ग्राम भटौती में स्थित गौआश्रय स्थल में अव्यवस्थाएं एवं कमी पाये जाने पर ग्राम सचिव को निलम्बित, ग्राम प्रधान का खाता फ्रीज, नया गौपालक रखे जाने तथा चौकीदार की सेवा समाप्त किये जाने तथा खण्ड विकास अधिकारी, उप मुख्य पशुचिकित्साधिकारी एवं एडीओ पंचायत को प्रतिकूल प्रविष्टि तथा एक वार्षिक वेतन वृद्धि अवरूद्ध किये जाने के दिए निर्देश
- गौशालाओं में आवश्यक व्यवस्थायें सुनिश्चित किया जाना सम्बंधित खण्ड विकास अधिकारी, पशुचिकित्साधिकारी एवं एडीओ पंचायत की संयुक्त जिम्मेदारी

भारत संवाद

जिलाधिकारी श्री रविन्द्र कुमार माँदड़ की अध्यक्षता में गुरूवार को सर्किट हाउस के सभागार में गौ-आश्रय स्थलों में निराश्रित गोवंशों को आवश्यक सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं को सुनिश्चित किये जाने के सम्बंध में बैठक आयोजित की गयी। बैठक में जिलाधिकारी ने मेजा ब्लाक के अन्तर्गत ग्राम भटौती में स्थित गौआश्रय स्थल में अव्यवस्थाएं एवं कमी पाये जाने की शिकायत पर ग्राम सचिव को निलम्बित किये जाने, ग्राम प्रधान का खाता फ्रीज किये जाने, गौपालक को हटाकर नया गौपालक रखे जाने तथा चौकीदार की सेवा समाप्त किये जाने के निर्देश दिए है।उन्होंने सम्बंधित खण्ड विकास अधिकारी, उप मुख्य पशुचिकित्साधिकारी एवं एडीओ पंचायत को प्रतिकूल प्रविष्टि तथा एक वार्षिक वेतन वृद्धि अवरूद्ध किये जाने के निर्देश दिए है।उन्होंने बैठक में उपस्थित सभी खण्ड विकास अधिकारी, पशुचिकित्साधिकारी एवं एडीओ पंचायतों से कहा कि 08 जून तक सभी आवश्यक सुविधाएं एवं व्यवस्थायें गौ आश्रय स्थलों में सुनिश्चित कर ली जाये। यदि 08 जून के बाद किसी भी गौआश्रय स्थल में कमियां पायी जायेगी तो सम्बंधित खण्ड विकास अधिकारी, पशुचिकित्साधिकारी एवं एडीओ पंचायत की सामूहिक जिम्मेदारी तय करते हुए सभी के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की जायेगी। उन्होंने कहा कि इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही या उदासीनता क्षम्य नहीं है। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि स्थायी गौशालाओं में पक्की चारदीवारी एवं अस्थायी गौशालाओं में पिलर के साथ जाली की बैरिकेटिंग अवश्य रहे तथा गौशालाओं में गेट अवश्य लगा हो। उन्होंने कहा कि सभी निराश्रित गोवंशों के लिए शेड की व्यवस्था अवश्य रहे तथा गौवंशों की संख्या अधिक होने पर यदि स्थान की कमी हो, तो अस्थायी शेड की व्यवस्था की जाये, कोई भी गौवंश धूप में न रहे।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर प्रयागराज जं पर चला हस्ताक्षर अभियान

मुख्य जनसंपर्क अधिकारी द्वारा वितरित किए गए जूट बैग

भारत संवाद

रेलवे बोर्ड के निदेर्शानुसार उत्तर मध्य रेलवे के द्वारा इस वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस का एक पखवाड़े के रूप में आयोजन 22 मई से 05 जून 2025 तक तक किया जा रहा है।इस वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस की थीम End Plastic pollution" है।इस पूरे पखवाड़े में पर्यावरण जागरूकता एवं पर्यावरण से संबंधित विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है ।इसी के तहत आज दिनांक 5 जून 2025 को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर उत्तर मध्य रेलवे जनसंपर्क विभाग के तत्वावधान में प्रयागराज जंक्शन कॉन्कोर्स में पर्यावरण जागरूकता के प्रसार के उद्देश्य से एक हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। इस अवसर पर उत्तर मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री शशिकांत त्रिपाठी ने सर्वप्रथम प्रकृतिरेव शरणम् का संदेश देकर हस्ताक्षर अभियान का शुभारंभ किया।इस अभियान में जनसंपर्क विभाग उत्तर मध्य रेलवे के कर्मियों, स्टेशन निदेशक श्री वी के द्विवेदी के नेतृत्व में स्टेशन के कर्मचारियों तथा बड़ी संख्या में रेल यात्रियों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। इस हस्ताक्षर अभियान में अपनी भावनाओं को व्यक्त करते हुए हस्ताक्षर कताओं ने प्रकृति को जीवन और जीवन का आधार बताया गया। कुछ यात्रियों ने नीम और पीपल के पेड़ लगाने और भरपूर मात्रा में ऑक्सीजन पाने का संदेश भी दिया। एक यात्री ने संदेश लिखा ना यह धरा होगी, ना यह आसमान होगा, पर्यावरण से बिना ना कोई इंसान होगा । इस तरह के संदेशों के माध्यम से इस अवसर पर वहां उपस्थित रेल यात्रियों तथा स्टेशन पर कार्यरत रेल कर्मियों ने भी बड़ी संख्या में अपनी सहभागिता दर्ज कराई। इसमें हर उम्र के बच्चे से वृद्ध, पुरुष और महिला सब ने अपने विचार इस सूचना पट्ट पर अंकित किए।

इफको फूलपुर इकाई में मनाया गया विश्व पर्यावरण दिवस

भारत संवाद

इफको फूलपुर इकाई में विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विजय, क्षेत्रीय अधिकारी, उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड रहे। कार्यकारी निदेशक (तकनीकी) संजय वैश्य के नेतृत्व में इफको चिकित्सालय परिसर के आसपास वृहद वृक्षारोपण हुआ। वरिष्ठ प्रबंधक (ई.पी.सी) उमेश कुमार ने पर्यावरण सप्ताह की औपचारिक शुरूआत की। इस वर्ष का विषय ₹प्लास्टिक प्रदूषण को हराना₹ है। इस अभियान का उद्देश्य पारिस्थितिकी तंत्र, वन्य जीवन और मानव स्वास्थ्य पर प्लास्टिक कचरे के हानिकारक प्रभावों के बारे में वैश्विक जागरूकता बढ़ाना है। इस दौरान संयुक्त महाप्रबंधक (स्वास्थ एवं चिकित्सा सेवाएँ) डॉ सत्य प्रकाश, प्रबंधक (ई.पी.सी.) मनोज तिवारी मौजूद रहे।

कचरा नहीं देने वाले मकान मालिकों को जारी होगा नोटिस, गृहकर में नहीं मिलेगी छूट

नगर आयुक्त ने विश्व पर्यावरण दिवस पर एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत किया पौधरोपण और नालों का निरीक्षण

- नालों में गंदगी देख भड़के, वेंडर को लगाई फटकार
- सलोरी के बाढ़ प्राभावित क्षेत्र में लगाए जाएंगे 10 हजार पौधे

भारत संवाद

प्रयागराज। प्रयागराज नगर निगम के नगर आयुक्त श्री सीलम साईं तेजा ने गुरुवार को छोटा बघाड़ा स्थित अमिताभ बच्चन पुलिया के पास नाले का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान नालों में फैली गंदगी देखकर उन्होंने कड़ी नाराजगी जाहिर की।स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि क्षेत्र में लॉजों की संख्या अधिक है और वहां के रहवासी डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण में सहयोग नहीं करते हैं, जिससे कचरा सीधे नालों में फेंका जा रहा है।इस पर नगर आयुक्त ने संबंधित लॉज मालिकों को नोटिस जारी करने और गृहकर में मिलने वाली छूट समाप्त करने का निर्देश दिया। साथ ही पोकलेन मशीन लगाकर तत्काल नाला सफाई कराने का आदेश भी जारी किया। अन्य क्षेत्रों में भी निरीक्षण, सफाई व्यवस्था पर दिए सख्त निर्देशइसके बाद नगर आयुक्त अप्ट्रॉन चौराहा पहुंचे और मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान के पीछे स्थित नाले का जायजा लिया। उन्होंने देखा कि नाले में काफी मात्रा में सिल्ट जमा है और जल प्रवाह अवरुद्ध है। इस पर उन्होंने वहां कार्यरत वेंडर को फटकार लगाते हुए कहा कि सिल्ट हटाने, जाली लगाने और केमिकल छिड़काव का कार्य तत्काल शुरू किया जाए।

अभियान | 1200 स्टेशनों और 740 से अधिक वर्कशॉप पर चला अभियान

विश्व पर्यावरण दिवस 2025 के अवसर पर भारतीय रेल ने चलाया जागरूकता अभियान

भारत संवाद

- अभियान में लगभग 150 टन प्लास्टिक कचरे का हुआ निपटान
- रेलवे अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने ली पर्यावरण संरक्षण की शपथ

नई दिल्ली: भारतीय रेल द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर विशेष आयोजन करते हुए 22 मई से 5 जून तक पंद्रह दिवसीय विशेष अभियान चलाया। इस वर्ष की थीम प्लास्टिक प्रदूषण समाप्त करें के अंतर्गत भारतीय रेल के सभी जोन, मंडल, स्टेशन और कार्यालयों में जन-जागरूकता की विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की गईं। इस अभियान में रेलवे कर्मचारियों, यात्रियों, आम नागरिकों और अन्य साझेदारों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रमों की श्रृंखला में प्लास्टिक कचरे का आकलन, कचरे को अलग-अलग प्रकारों में छाँटना, प्लास्टिक बोतल क्रशिंग मशीनों की स्थिति की समीक्षा, स्वच्छता एवं जल संरक्षण के प्रयास, तथा प्लास्टिक उपयोग में कमी हेतु जागरूकता प्रसार जैसे कदम शामिल थे।5 जून को पर्यावरण संरक्षण को लेकर संकल्प दिलाया गया, जिसमें प्लास्टिक उपयोग में बदलाव, स्वच्छता और ऊर्जा बचत जैसे विषयों पर जोर दिया गया। रेलवे बोर्ड में यह संकल्प सदस्य (ट्रैक्शन एवं रोलिंग स्टॉक) द्वारा दिलाया गया, जिसमें अन्य बोर्ड सदस्य और जोनल रेलवे के महाप्रबंधक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल हुए।इस अवसर पर रेलवे की वार्षिक पर्यावरण सततता रिपोर्ट भी जारी की गई। पूरे अभियान में लगभग 150 टन प्लास्टिक कचरे का सुरक्षित निपटान किया गया, 1230 से अधिक स्टेशनों पर पोस्टर व डिजिटल माध्यमों से जागरूकता फैलाई गई, 740 से अधिक कार्यशालाएं आयोजित की गईं, 1200 स्टेशनों पर स्वच्छता अभियान चलाया गया, 180 से अधिक प्लास्टिक बोतल क्रशिंग मशीनों की कार्यप्रणाली की समीक्षा की गई और 230 नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से स्थानीय स्तर पर जन-जागरूकता को बल मिला।भारतीय रेल पर्यावरणीय स्थायित्व को लेकर निरंतर प्रतिबद्ध है। वर्ष 2025-26 के लिए 750 करोड़ रुपये की एक समग्र योजना को स्वीकृति दी गई है जो पर्यावरण से जुड़ी गतिविधियों को समर्पित है। अब तक 98% ब्रॉड गेज मार्गों का विद्युतीकरण किया जा चुका है।3512 स्टेशनों एवं सेवा भवनों पर सौर रूफटॉप की स्थापना के माध्यम से लगभग 227 मेगावाट विद्युत उत्पादन क्षमता सृजित की गई है। सभी रेलवे स्टेशनों, कार्यालयों और आवासीय परिसरों में 100% एलईडी लाइट्स की व्यवस्था की गई है। इसके अतिरिक्त, हाइड्रोजन ईंधन आधारित ट्रेनों के विकास, 2014 से अब तक 9.7 करोड़ पौधारोपण, और यात्री कोचों में 100% बायो-टॉयलेट्स की स्थापना जैसे कदमों के जरिए रेलवे ने पर्यावरण की दिशा में ठोस पहल की है।भारतीय रेल अपनी पर्यावरणीय जिम्मेदारी को समाहित करते हुए, भविष्य में भी एक हरित और स्वच्छ परिवहन प्रणाली के निर्माण हेतु कृतसंकल्पित है।

सावधान ! यदि घर पर नहीं लगाया सीसीटीवी, तो दरवाजे पर रखे सामान और संसाधन उठा ले जाएगी ऊंचाहार पुलिस

आधी रात में पुलिस ने दी लोगों को चेतावनी, सीओ ने नहीं उठाया सीयूजी नंबर पर की गई कॉल

भारत संवाद

रायबरेली , पुलिस अधीक्षक डॉ यशवीर सिंह के नेतृत्व में जिले की आम जनता को सुरक्षा की जो उम्मीद दिखी थी उसे ऊंचाहार पुलिस ने पूरी तरह से खोखला कर दिया है। पुलिस अधीक्षक डॉ यशवीर सिंह ने जिले की पुलिसिंग को ठीक करने के लिए चुन चुन कर अनुभवी और जिम्मेदार दरोगा और कोतवाल को क्षेत्रवार तैनाती दी , परन्तु ऊंचाहार की पुलिस एसपी के नेतृत्व का विरोध करने का प्रयास कर रही है। ऊंचाहार कोतवाली क्षेत्र के सलोन रोड पर रहने वाले लोगों के घर आधी रात में करीब एक बजे पुलिस दस्तक देती है। जीप में मौजूद एनटीपीसी चौकी इंचार्ज वागीश मिश्रा अपने दल बल के साथ उतरकर जांच करते हैं और घर के लोगों को चेतावनी देते हैं कि घर पर सीसीटीवी कैमरे लगाओ या फिर दरवाजे पर अपने वाहन और अन्य सामान रखना बंद करो, अन्यथा दरवाजे पर रखे सामान और वाहन को थाने उठाकर ले जाया जाएगा। इस चेतावनी को सुनने के बाद कोतवाल ऊंचाहार संजय कुमार को फोन लगाया गया, परन्तु उनका फोन नहीं उठा। देर रात ही क्षेत्राधिकारी डलमऊ अरुण कुमार नौहवार को फोन किया गया परन्तु उनका भी नहीं उठ सका, पुलिस कर्मियों का सीयूजी नंबर ना उठना आम जनमानस को खतरे में डालता है। यह भी बता दें कि ऊंचाहार पुलिस को क्षेत्र के वह व्यावसायिक संस्थान नहीं दिख रहे हैं। जिनके सामने अभी तक कैमरे स्थापित नहीं किए गए और जगह - जगह डंफर,टैंकर अन्य वाहन सड़क पर ही खड़े रहते हैं। गौरतलब है कि क्या ऊंचाहार पुलिस द्वारा दी गई यह चेतावनी उचित है. क्या ऐसा कोई आदेश भारत सरकार या उत्तर प्रदेश सरकार अथवा माननीय न्यायालय ने जारी किया है कि निजी घरों पर लोगों को सीसीटीवी लगाना अनिवार्य होगा अन्यथा पुलिस दरवाजे पर रखे सामान और खड़े वाहन को जब्त कर लेगी। साथ ही उस घर में रहने वाले लोगों को सुरक्षा नहीं देगी। बता दें कि चोरों द्वारा ऊंचाहार पुलिस की रात्रि गश्त की पोल खोली जा रही है, जिसके चलते पुलिस झल्ला उठती है और अपनी नाकामी छुपाने के लिए लोगों को चेतावनी देती फिर रही है।

पर्यावरण संरक्षण को दैनिक जीवन शैली का हिस्सा बनाना होगा-श्याम कुंतैल

ब्रिलिएंट पब्लिक स्कूल में विश्व पर्यावरण दिवस पर पौधारोपण एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

डॉली शर्मा संवादाता महानगर / भारत संवाद

अलीगढ़ ।ब्रिलिएंट पब्लिक स्कूल में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर विविध गतिविधियों का आयोजन कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। कार्यक्रम की शुरूआत विद्यालय परिसर में पौधारोपण से हुई,जिसमें छात्रों,शिक्षकों एवं स्टाफ सदस्यों ने भाग लिया ।विद्यालय में फल और छायादार पौधों का रोपण किया गया ।इस अवसर पर विद्यार्थियों को पर्यावरण एवं जल संरक्षण पर आधारित एक लघु फिल्म भी दिखाई गई,जिससे बच्चों में पर्यावरण के प्रति चेतना और जिम्मेदारी की भावना विकसित हो सके ।विद्यालय के प्रधानाचार्य श्याम कुंतैल ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि पर्यावरण की रक्षा करना केवल एक दिन की जिम्मेदारी नहीं,बल्कि यह हमारी दैनिक जीवनशैली का हिस्सा होना चाहिए। उन्होंने बच्चों को प्रेरित किया कि वे प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाकर जीवन जीने की आदत विकसित करें ।कार्यक्रम के अंत में सभी छात्रों

को पर्यावरण एवं जल संरक्षण का संकल्प दिलाया गया ।बच्चों ने वचन दिया कि वे जल का अपव्यय नहीं करेंगे, पेड़-पौधों की देखभाल करेंगे और प्लास्टिक का उपयोग कम से कम करेंगे ।इस मौके पर सुधा सिंह, डॉ.चंद्र शेखर शर्मा,ललित वत्स,अमित कुमार, विनय सिंह,शालिनी रानी, शिल्पी, तनु शर्मा,उर्वशी अवस्थी और पारूल गौतम आदि मौजूद रहे।

ग्राम पंचायत सचिवालय तोछीगढ़ के ताला बंद कमरों में दिन रात चल रहे पंखे, और दिन के उजाले में जल रहे रौड और बल्ब - अधिकारी बेखबर

गांव तोछीगढ़ का विकास सिर्फ फाइलों में और विकास का पैसा सेकेट्री व प्रधान के बैंक खातों में, जनता त्रस्त - सचिव व प्रधान मस्त

संजय भारद्वाज अलीगढ

इगलास। इगलास विकास खण्ड (ब्लॉक) क्षेत्र की ग्राम पंचायत तोछीगढ़ में गंदगी का प्रकोप बढ़ रहा है। पंचायत घर में बने शौचालय, बाथरूम की सीटें टूटी पड़ी हैं और गंदगी के कारण कोई भी व्यक्ति शौचालय जाने से कतरा रहा है। इतना ही नहीं पंचायत घर में बने बंद कमरों में ताले लटके रहते हैं और दिन के उजाले में भी स्ट्रीट लाइट, बल्ब, रोड जलती रहती हैं। वहीं ताले लटके बंद कमरों में पंखों को चला छोड़ दिया जाता है। बताते हैं बतौर औपचारिकताएं माह दो माह में मीटिंग होती हैं तब कुछ लोग दिखाई देते हैं अन्यथा ग्राम प्रधान का पंचायत घर अथवा गांव में बढ़ती गंदगी की ओर तनिक भी ध्यान नहीं है ।बतादें कि इगलास ब्लॉक क्षेत्र का गांव तोछीगढ़ एक बड़ी ग्राम पंचायत है जिसमें करीब

आठ गांव सम्मिलित हैं। ग्राम प्रधान द्वारा ऐसा कुछ नहीं कराया है जिससे तोछीगढ़ की जनता प्रधान की कार्य प्रणाली की चर्चा कर सके। बुधवार को सी न्यूज भारत टीवी चैनल व भारत सम्बाद व निकाश दैनिक समाचार पत्रों की टीमें ग्राम प्रधान द्वारा गांव में किसी तरह की शिकायत मिलने पर तोछीगढ़ पहुंची तो देखा नालियों की सफाई नहीं थी। पशु चिकित्सालय के पास खरंजा उखड़ा पड़ा है, पशु चिकित्सालय के अंदर कूड़े के ढेर लगे हुए हैं इसके अलावा पंचायत सचिवालय के अंदर बने मीटिंग हॉल व अन्य कमरों पर ताले लटके मिले कमरों के अंदर पंखे चलने की आवाज थी तथा दिन के उजाले में रोड़ व बल्ब जल रहे थे। इसके अलावा ग्राम पंचायत सचिवालय प्रांगण में लगे बच्चों के झूले व व्यायाम यंत्र सभी टूटे लगे हुए हैं। शौचालय में सीटें टूटी पड़ी हैं। पत्रकारों द्वारा ग्रामीणों से बातचीत की गई तो बताया गया है कि प्रधान सिर्फ अपनी जेबें भर रहा है गांव में कोई विकास नहीं है जगह जगह गंदगी है खड़ंजे उखड़े पड़े हैं और गर्मी के समय जो भी नल लगाए गए हैं अपनी जाति बिरादरी में लगाए हैं। लोगों का कहना यह भी था तोछीगढ़ ग्राम पंचायत से करीब आठ माजरे जुड़े हैं। जब गांव तोछीगढ़ जो एक बड़ी आबादी का गांव है। यहीं कोई काम नहीं हुआ है तो गांव से सम्मिलित माजरे गांव की तो ज्यादा ही दुर्दशा होगी।

फास्ट ट्रैक

शहीद चंद्रशेखर आजाद पार्क में वृक्षारोपण कार्यक्रम का भव्य आयोजन

भारत संवाद

आज दिनांक 5 जून 2025 विश्व पर्यावरण दिवस एवं गंगा दशहरा और माननीय मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश श्री योगी आदित्यनाथ जी के 53वे जन्म दिवस के शुभ अवसर पर जनपद प्रयागराज के अंतर्गत शहीद चंद्रशेखर आजाद पार्क में वृक्षारोपण कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया जिसके अंतर्गत मुख्य अतिथि के तौर पर माननीय सांसद फूलपुर श्री प्रवीण पटेल के कर कमलो द्वारा पवित्र त्रिवेणी (पीपल, बरगद, नीम) का पौधरोपित किया गया और इस वृक्षारोपण कार्यक्रम में माननीय विधायक, करछना श्री पीयूष रंजन निषाद, माननीय विधायक फाफामऊ, श्री गुरु प्रसाद मौर्य, रविंद्र कुमार माँदड़ (जिलाधिकारी प्रयागराज) श्रीमती हर्षिता सिंह(मुख्य विकास अधिकारी, प्रयागराज) और जनपद के अनेकों स्कूल से आए छात्र और छात्राओं एवं समाजसेवियों द्वारा पीपल, बरगद, नीम, जामुन, अमलतास, आदि पौधों का रोपण किया गया एवं समस्त जनपद वासियों से एक पेड़ मां के नाम रोपित करने का आवाहन किया गया

रास्ते में गेट को लेकर ग्रामीणों ने मंगलम सीमेंट फैक्ट्री के खिलाफ हुंकार भरी

आकाश शर्मा, भारत संवाद

अलीगढ़ः सी डी एफ औद्योगिक क्षेत्र स्थित मंगलम सीमेंट फैक्ट्री द्वारा गांव कलूपुरा के मुख्य रास्ते पर गेट बनाए जाने से नाराज ग्रामीणों ने फैक्ट्री के खिलाफ हुंकार भरी, इस दौरान भारतीय किसान मजदूर संगठन पूरन गुट के जिलाध्यक्ष श्री पाल सिंह के नेतृत्व में सैकड़ों ग्रामीणों ने गुरुवार को गांव में पंचायत आयोजित की जिसमें लोगों ने निर्णय लिया कि शुक्रवार को समस्या को लेकर एक ज्ञापन एस डी एम कोल को दिया जाएगा। इस दौरान प्रमुख ग्रामीण मघेंद्र प्रताप चोहान ने बताया कि मंगलम सीमेंट फैक्ट्री के तानाशाह रवैए से पूरा गांव परेशान है फैक्ट्री का मुख्य गेट इंडस्ट्रियल एरिया में ही पूरब की तरफ मौजूद है लेकिन गांव को जाने वाला प्रमुख मार्ग जो काफी संकरा है फैक्ट्री प्रबंधन ने दबंगई से उस पर गेट खोल लिया है इस रास्ते से बड़ी संख्या में स्कूली छात्र निकलते हैं जिससे फैक्ट्री के भारी वाहनों से कभी भी कोई गंभीर हादसा हो सकता है,ग्रामीणों द्वारा विरोध करने पर फैक्ट्री प्रबंधन ने उनकी आवाज दबाने के लिए मुकदमा लिखवा दिया है इसे वह कतई बर्दाश्त नहीं करेंगे। इस अवसर पर उपस्थित प्रमुख पदाधिकारियों में अजय चौहान, उल्फत सिंह चौहान, दिनेश कुमार, विनोद कुमार, बाबूलाल, रामबाबू सिंह, सनी, रामप्रसाद, राजपाल सिंह, राजबाला,किशन कुमार, राम सिंह, रुपेश कुमार, सूरज चौहान, सतीश कुमार, रंजीत चौहान, राजेंद्र सिंह, सतवीर सिंह,महेंद्र, सोनू राघव, प्रेमवती व कैलाश देवी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

एनसीसी कैडिटों ने किया पौधारोपण

सहारनपुर। पर्यावरण दिवस के अवसर पर आज 26 उ.प्र. बालिका वाहिनी एनसीसी, सहारनपुर के अन्तर्गत आने वाले विद्यालयों में पौधारोपण किया गया, जिसमें एनसीसी कैडेटों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। इसी क्रम में विधा देवी कन्या महाविधालय, जन्धेड़ा समसपुर में भी पौधारोपण किया गया, जिसमें विद्यालय के चेयरमैन श्री मोहित पंवार, श्री अंचल जी, केयरटेकर भावना चैधरी व 25 कैडेटों ने भाग लिया। इसके अतिरिक्त गर्वनमेन्ट गर्ल्स इंटर कालेज, सहारनपुर व आर्य कन्या इंटर कालेज, सहारनपुर के कैडेटों ने मिल-जुल कर गांधी पार्क, सहारनपुर में पौधारोपण किया।

निर्जला एकादशी व्रत आज.....

निर्जला एकादशी व्रत से मिलता है सभी एकदशी व्रत का फल : स्वामी पूर्णानन्द पुरी

भारत संवाद

अलीगढ !सनातन धर्म में सबसे कठिन और पुण्यदायी एकादशियों में से एक, इस वर्ष 6 जून 2025 को मनाई जाएगी। ज्येष्ठ मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को पड़ने वाला यह व्रत भगवान विष्णु को समर्पित है। मान्यता है कि निर्जला एकादशी का व्रत रखने से साल की सभी 24 एकादशियों का फल प्राप्त होता है, जिससे भक्तों को सुख, समृद्धि और मोक्ष की प्राप्ति होती है। यह व्रत बिना जल और अन्न के किया जाता है, यही वजह है कि इसे साल की सबसे बडी एकादशी कहा जाता है। उक्त जानकारी वैदिक ज्योतिष संस्थान के प्रमुख स्वामी पूर्णानन्द पुरी जी ने दी निर्जला एकादशी व्रत का पूरे सालभर तक लोग इंतजार करते हैं क्योंकि यह व्रत पूरे साल की एकादशी का फल एकबार में प्रदान कर देता है. इस बार निर्जला एकादशी व्रत की तारीख को लेकर लोगों में संशय की स्थिति बनी हुई है। निर्जला एकादशी का व्रत 6 या 7 जून दोनों में से कब मनाएं इस संशय का निवारण करते हुए स्वामी जी ने बताया कि निर्जला एकादशी का व्रत ज्येष्ठ शुक्ल एकादशी तिथि को रखते हैं, लेकिन कई बार तिथि और हरिवासर समय की वजह से एकादशी व्रत दो दिनों का हो जाता है इस वजह से लोगों में संशय की स्थिति बन जाती है। इस साल निर्जला एकादशी तिथि आज 06 जून शुक्रवार प्रातः 02:15 बजे से प्रारम्भ हो चुकी है जोकि 7 जून रविवार को सूर्योदय से पूर्व ही 04:47 पर समाप्त हो जाएगी ऐसे में उदयातिथि एवं दशमी भेदी न होने के कारण गृहस्थ एवं वैष्णव जनों का निर्विवाद रूप से निर्जला एकादशी का व्रत आज 06 जून को रहेगा ।स्वामी जी आगे बताया कि इस व्रत के करने से व्यक्ति कि मनोकामना पूर्ण होने के साथ ही भगवान की भक्ति और प्रीति प्राप्त हो जाती है धार्मिक मान्यता के अनुसार, एक बार शौनक आदि ऋषियों ने ज्येष्ठ शुक्ल एकादशी की कथा जानने की इच्छा व्यक्त की। तब सूतजी ने बताया कि एक बार भीमसेन ने महर्षि व्यास से कहा हे पितामह ! मेरे परिवार के सभी सदस्य एकादशी को व्रत करते हैं, परंतु मैं बिना भोजन किए नहीं रह सकता। मेरा पेट अग्नि के समान है, जो अधिक भोजन से ही शांत होता है। कृपया कोई ऐसा उपाय बताइए जिससे मैं व्रत का पुण्य भी पा सकूं और भूखा भी न रहूं। महर्षि व्यास ने कहा -हे भीमसेन ! यदि तुम पूरे वर्ष केवल एक व्रत करना चाहते हो, तो ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष की एकादशी को निर्जल रहकर उपवास करो। इस दिन जल भी ग्रहण नहीं करना चाहिए। केवल आचमन के लिए 6 माशे (लगभग 24 मिली) से अधिक जल न लें, अन्यथा व्रत भंग हो जाता है। सूर्योदय से सूर्यास्त तक बिना जल के व्रत करने से वर्ष भर की सभी एकादशियों का फल प्राप्त होता है।

इगलास के महेंद्र नगर की विवाहिता महिला व उसकी पुत्रियों के साथ अत्याचार - महिला ने सी ओ इगलास से लगाई मदद की गुहार

संजय भारद्वाज अलीगढ

इगलास। इगलास नगर के महेंद्र नगर में दहेज लोभियों ने विवाहिता को घर से बाहर घसीटते हुए पीटा है जिसकी वीडियो भी वायरल हो चुकी है। विगत दिनों पीड़ित विवाहिता जो एक विद्यालय में अध्यापक पद पर कार्यरत है। विवाहिता के ससुरालीजनों ने विद्यालय पहुंचकर मारपीट की थी। उक्त पीड़ित महिला के ऊपर अत्याचार को लेकर विद्यालय के प्रधानाचार्य पीड़ित विवाहिता के परिजनों के साथ इगलास पुलिस उपाधीक्षक से मिले और विवाहिता के ऊपर हो रहे अत्याचारों से उन्हें रूबरू कराया। पुलिस उपाधीक्षक महेश कुमार ने संज्ञान लेते हुए पीड़ित महिला को न्याय व मदद का आश्वासन दिया है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक पीड़ित विवाहिता सीमा शर्मा पत्नी कौशल किशोर शर्मा निवासी महेंद्र नगर इगलास ने थाना पुलिस को दी अपनी रिपोर्ट तहरीर में उसकी शादी करीब 15 वर्ष पूर्व इगलास के महेंद्र नगर निवासी कौशल किशोर पुत्र महेश चंद्र शर्मा के साथ हुई थी शादी कुछ ही समय बाद दहेज में अतिरिक्त मांग को लेकर उसके ऊपर अत्याचार करना शुरू कर दिया, और प्रार्थिया को प्रताड़ित कर निकाल दिया। करीब सात वर्ष प्रार्थिया किसी तरह अपने मायके में रही। प्रार्थिया के पास उसकी दो पुत्री राधिका 14 वर्ष व कल्पना 11 वर्ष साथ है। कुछ रोज पहले पीड़िता की सास जयमाला ने फोन कर सुलह समझौता हेतु महेंद्र नगर स्थित आवास पर बुलाया तो पीड़िता अपनी पुत्रियों के साथ इगलास आ गई उसको क्या पता था कि धोखाधडी से बुलाकर उसके साथ अत्याचार करेंगे , जैसे ही वह घर पर पहुंची तो पहले से साज कर बैठे पीड़िता के ससुरालीजनों व अन्य ने उसके साथ मारपीट की। पीड़िता के ऊपर अत्याचार को लेकर एक विद्यालय के प्रधानाचार्य शिव कुमार शर्मा पीड़िता व उसके परिजनों के साथ इगलास पुलिस उपाधीक्षक महेश कुमार से मिले और पीड़िता के साथ किए

गए अत्याचार की बात सी सी टी वी फुटेज दिखाते हुए पीड़िता को न्याय दिलाए जाने की गुहार की। पुलिस उपाधीक्षक ने संज्ञान लेते हुए तत्काल कार्यवाही कराते हुए पुलिस उपाधीक्षक ने पीड़िता की पुत्रियों को डॉक्टरी परीक्षण हेतु भेजे जाने तथा अभियोग पंजीकृत किए जाने के आदेश संबंधित पुलिस थाना को पारित किए है

किसान यूनियन की समीक्षा बैठक में कहा किसान आयोग का गठन करे सरकार- धर्मेंद्र चौधरी

डॉली शर्मा संवाददाता महानगर /भारत संवाद

अलीगढ। अलीगढ़ गोंडा रोड पींजरी पर हुई भारतीय किसान यूनियन चौधरी चरन सिंह की किसान समीक्षा बैठक बैठक की अध्यक्षता मास्टर एदल कुमार गौतम व संचालन प्रदेश उपाध्यक्ष चौधरी रविंद सिंह ने किया बैठक के आयोजक राष्ट्रीय प्रवक्ता चौधरी सत्यबीर सिंह सत्तो रहे बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय धर्मेंद्र चौधरी राष्ट्रीय अध्यक्ष महिला मोर्चा श्रीमती रामवती सिंह राष्ट्रीय संगठन मंत्री मधुर सेठ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पुष्पेंद्र बघेल जिला अध्यक्ष अलीगढ़ अमर नौहबार जिला अध्यक्ष मथुरा सोनू चौधरी प्रदेश प्रवक्ता बाबा राजन सिंह आदि ने अपने विचार रखें राष्ट्रीय अध्यक्ष धर्मेंद्र चौधरी ने कहा किसानों के हक व सम्मान की लड़ाई भारतीय किसान यूनियन चौधरी चरण सिंह का प्रमुख मुद्दा उन्होंने कहा सरकार को किसान आयोग का गठन करना चाहिए अन्यथा भारतीय किसान यूनियन चौधरी चरण सिंह आयोग गठन के लिए आंदोलन करने को बाध्य होगी किसानों की खाद बिजली पानी की बड़ी समस्या है वहीं किसानों को यूरिया डीएपी खाद के साथ लगेज दिया जाता है जिससे किसान की कमर तोड़ने का काम होता है इस पर रोक लगनी चाहिए अन्यथा भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन करने के लिए संगठन मजबूर होगा भारतीय किसान यूनियन चौधरी चरण सिंह का राष्ट्रीय चिंतन शिवर हरिद्वार में 19 20 21 जून को लाल कोठी पर लगाया जाएगा किसानों से शिवर में जाने के लिए आग्रह किया वही आयोजक व राष्ट्रीय प्रवक्ता चौधरी सत्यवीर सिंह सत्तो ने कहा हमारे संगठन का नाम भारत रत्न किसान मसीहा श्रद्धेय चौधरी चरण सिंह के नाम से है हमारा किसान गरीब कमरों की मदद करना प्रमुख उद्देश्य है राष्ट्रीय प्रवक्ता ने सभी जिला अध्यक्षों को एक माह के अंदर अपनी कमेटी तैयार कर राष्ट्रीय कार्यालय में जमा करने को कहा इस मौके पर चौधरी महेंद्र सिंह रमेश सिंह चौधरी केहरी सिंह शिव कुमार सिंह वीरपाल सिंह स्वामी धर्मपाल सिंह आलोक कुमार विनोद कारण डॉक्टर राजेंद्र शर्मा रूपेंद्र जैन देवेंद्र सिंह सोनू चौधरी अजीत सिंह बृजेश सिंह संतोष चौधरी धर्मेंद्र सिंह कौशल चौधरी अरुण चौधरी प्रशांत चौधरी लाल सिसोदिया ऋषि सिसोदिया बबलू खान भीष्म बघेल सहित क्षेत्र के सैकड़ो किसान मौजूद रहे।

सफाई कर्मियों का उत्पीड़न किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं: ब्रजमोहन चनालिया

नगर निगम में मांगों को लेकर दूसरे दिन भी धरना जारी

भारत संवाद

सहारनपुर। उत्तर प्रदेशीय सफाई कमजदूर संघ और अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस के तत्वावधान में आज नगर निगम परिसर में अपनी मांगों को लेकर धरना जारी रहा। धरने को सम्बोधित करते हुए मण्डल महामंत्री ब्रजमोहन चनालिया, प्रदेश उपाध्यक्ष चेतन चनयाने, विशेष सलाहकार अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस के रघुवीर चंदेल ने संयुक्त रूप से कहा कि कर्मचारियों के साथ उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं किया जायेगा तथा अपनी मांगों को लेकर शांतिपूर्ण धरना दिया जायेगा। उन्होंने कहा कि आगामी 7 जून को बकराईद के त्योहार को देखते हुए सफाई कार्य सुचारू रूप से चलता रहेगा।

कोर्ट परिसर में जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया

सहारनपुर। एसएसपी को शिकायती पत्र में एक व्यक्ति ने कोर्ट परिसर में विपक्षी पर गाली गलौच व जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। एसएसपी को दिये शिकायती पत्र में थाना कोतवाली देहात के हलालपुर चिलकाना रोड निवासी मान सिंह पुत्र बिशम्बर सिंह ने बताया कि वह 4 जून को सिविल न्यायालय में मेडिएशन के एक वाद में तारीख पर आया था। विपक्षी प्रमोद कुमार पुत्र विक्रम सिंह निवासी हलालपुर व उसके साथ दो अज्ञात व्यक्ति जो अपने आपको प्रमोद का रिश्तेदार बता रहे थे, इन लोगों ने उसे धमकाते हुए

उत्तर मध्य रेलवे

Letter No.: 220-E/Engag/HVS/2022 Date: 02.06.2025

अवैतनिक विजिटिंग विशेषज्ञों की नियुक्ति

केन्द्रीय चिकित्सालय, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज में ऑनरेरी विजिटिंग स्पेशलिस्ट (HVS) के दो (02) पदों- एक (01) Oncologist पद एवं एक (01) Nephrologist पद पर कार्य करने हेतु योग्य उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित किया जाना है।

अतः इच्छुक उम्मीदवार अपने आवेदन "ENGAGEMENT OF HVS" अभिलिखित बंद लिफाफे में निर्धारित प्रारूप तथा प्रमाण पत्रों की प्रतिलिपि के साथ रजिस्टर्ड डाक से चिकित्सा निदेशक, केन्द्रीय चिकित्सालय, प्रयागराज को विज्ञापन प्रकाशित होने के (इक्कीस) 21 दिन के अंदर तक कर सकते हैं। संबंधित पदों हेतु नियम एवं पात्रता संबंधी समस्त विवरण उत्तर मध्य रेलवे की वेबसाइटः www.ncr.indianrailways.gov.in पर तथा चिकित्सा निदेशक, केन्द्रीय चिकित्सालय, प्रयागराज के कार्यालय में उपलब्ध है।

निम्नलिखित दो (02) HVS को अवैतनिक के आधार पर नियुक्ति प्रस्तावित हैः-

Name	Visiting Hours	Honorarium (PM)
Oncologist	02 Hours/04 days	40,000/-
Nephrologist	02 Hours/04 days	40,000/-

Medical Director
Central Hospital
NCR/PRYJ

970/25 (ADM)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @ CPRONCR

उत्तर मध्य रेलवे

ई-प्रापण निविदा सूचना संख्या 09/2025 दिनांकः 03.06.2025

ई-प्रापण निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरि मंडल सामग्री प्रबंधक, 30म0रे0, प्रयागराज निम्नलिखित मदों के लिये ई-प्रापण निविदा आमंत्रित करते है।

क्रं.	निविदा सं.	विवरण	मात्रा	ई.म.डी.रु.
1	19256349	ट्रैक गाइड फॉर बी डब्लू टी बी टाइप वैगन	1000 नग	1,06,200

निविदा खुलने की तिथिः- 01.07.2025, नोटः- 1. उपरोक्त सभी ई प्रापण निविदाओं का पुरा विवरण-IREPS वेबसाइट https://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।, 2. उपरोक्त निविदाओं हेतु ई-बिड के अतिरिक्त अन्य किसी भी प्रारुप में बिड स्वीकार नहीं कि जायेगी। वेन्डरों को चाहिए कि वे अपने आपको I.T Act 2000 के अन्तर्गत CCA द्वारा जारी Class III Digital हस्ताक्षर प्रमाण पत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें।, 3. निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित फाइनेंसियल रेट पेज पर ही विचारणीय हैं। दरें तथा अन्य वित्तीय भार अन्य किसी भी फार्म / लेटरहेड पर यदि संलग्न है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधे तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा।, 4. संलग्न किये जाने वाले सभी प्रपत्र हस्ताक्षरित होने चाहिये। उपरोक्त निविदा सूचना को उत्तर मध्य रेलवे की वेबसाईट https:// www.ncr.indianrailways.gov.in पर अपलोड कर दिया गया है। किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिये IREPS की वेबसाईट की हेल्पलाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 976/25 (D)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @ CPRONCR

उत्तर मध्य रेलवे

ई-प्रापण निविदा सूचना

ई-प्रापण निविदा सूचना संख्या 08/2025 दिनांक 03.06.2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरि. मंडल सामग्री प्रबन्धक 30म0रे0, प्रयागराज निम्नलिखित मदों के लिये ई-प्रापण निविदा आमंत्रित करते है।

विवरणः 3 फेस, 08 कार मेमू रेक के लिए इलेक्ट्रिकल इंटर व्हीक्युलर कपलर की आपूर्ति संलग्न अनुलग्नक के अनुसार।

क्रमांक	निविदा संख्या	मात्रा	ई.म.डी.	निविदा खुलने की तिथि
1	19256351	01 सेट	₹1,93,250/-	03.07.2025

नोटः 1. उपरोक्त सभी ई-प्रापण निविदाओं का पूरा विवरण IREPS वेबसाइट https://www.ireps.gov.in. पर उपलब्ध है। 2. उपरोक्त निविदाओं हेतु ई-बिड के अतिरिक्त अन्य किसी भी प्रारूप में बिड स्वीकार नहीं कि जायेगी। वेन्डरों को चाहिए कि वे अपने आपको I.T. Act 2000 के अन्तर्गत CCA द्वारा जारी Class III Digital हस्ताक्षर प्रमाण पत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 3. निविदा की दरे केवल डिजिटल हस्ताक्षरित फाइनेंसियल रेट पेज पर ही विचारणीय है। दरें तथा अन्य वित्तीय भार अन्य किसी भी फार्म/लेटर हेड पर यदि संलग्न है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधे तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। 4. संलग्न किये जाने वाले सभी प्रपत्र हस्ताक्षरित होने चाहिए। उपरोक्त निविदा सूचना को उत्तर मध्य रेलवे की वेबसाईट https://www.ncr.indianrailways.gov.in पर अपलोड कर दिया गया है। किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए IREPS की वेबसाईट की हेल्पलाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 977/25 FA

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

टैक्स एडवोकेट्स एसोसिशन की नई कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न

भारत संवाद

सहारनपुर। टैक्स एडवोकेट्स एसोसिएशन सहारनपुर के वार्षिक चुनाव 2025-26 संपन्न हुए,चुनाव अधिकारी चंद्रमोहन शर्मा एडवोकेट एवं अनिल गुप्ता एडवोकेट द्वारा आयकर भवन, दिल्ली रोड के सभागार में विजयी पदाधिकारीयो को पद एवं गोपनियता की शपथ दिलाई गई,जिसमें एच के अरोड़ा अध्यक्ष, प्रियांक भारद्वाज महासचिव प्रभात राणा एवं आर एस माथुर उपाध्यक्ष,संजीव जैन एवं हरीश भटेजा सचिव एवं संजय धीमान कोषाध्यक्ष की शपथ ग्रहण कराई गई ।सभी का मांलयार्पण कर स्वागत किया गया, निवर्तमान अध्यक्ष राजेश कपूर द्वारा गत वर्ष किये गये कार्य पर प्रकाश डाला गया.. निवर्तमान महासचिव दीपक जैन द्वारा सभी का आभार प्रकट करते हुए नई कार्यकारिणी को सहयोग का पूर्ण अश्वासन दिया गया,कोषाध्यक्ष अचिंत तायल द्वार गत वर्ष के आय व्यय का ब्य्यौरा प्रस्थुत किया गया इसके पश्चात निवर्तमान कार्यकारिणी द्वारा नई कार्यकारिणी को कार्यभार सौंपा गया, नवनियुक्त अध्यक्ष एचके अरोड़ा द्वारा कहा गया अधिवक्ता हितो को ध्यान में रखते हुए कार्य किया जाएगा, महासचिव प्रियांक भारद्वाज द्वारा कहा गया

भारत संवाद परिवार 1-संरक्षक-भारत संवाद डॉ राम किशोर शर्मा पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित, 2-संरक्षक-भारत संवाद, आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ, 3-संरक्षक-भारत संवाद गजानन महतपुरकर, (सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त), 4-कला एवं मनोरंजन संपादक (भारत संवाद), जगन्नाथ तिवारी, 5-उपसंपादक (भारत संवाद), माता प्रसाद शर्मा, 6-प्रभारी प्रयागराज संस्करण आशीष कुमार शर्मा

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक अरविन्द कुमार शर्मा द्वारा रमा प्रिंर्टिंग प्रेस 53/25/1-ए बेली रोड नया कटरा इलाहाबाद से मुद्रित एंव ज्ञान गंगा कालोनी सराय तकी झूंसी प्रयागराज से प्रकाशित।
संपादक- अरविन्द कुमार शर्मा ।फोन नं०.05324012522 मो०-9455137214,9935750291,E mail-bharatsamvad2009@gmail.com RNI No-UPHIN/2009/30939
(किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र इलाहाबाद उच्च न्यायालय होगा)।

मंदिरों का शहर हम्पी

यूनेस्को की विश्व विरासत की सूची में शामिल हम्पी भारत का एक प्रमुख पर्यटन स्थल है। 2002 में भारत सरकार ने इसे प्रमुख पर्यटन केन्द्र के रूप में विकसित करने की घोषणा की थी। हम्पी में स्थित दर्शनीय स्थलों में सम्मिलित हैं- विरूपाक्ष मन्दिर, रघुनाथ मन्दिर, नरसिम्हा मन्दिर, सुग्रीव गुफा, विठाला मन्दिर, कृष्ण मन्दिर, हजारा राम मन्दिर, कमल महल तथा महानवमी डिब्बा आदि। हम्पी से 6 किलोमीटर दूर तुंगभद्रा बांध स्थित है। कहा जाता है कि हम्पी के हर पत्थर में कहानी बसी है। यहां दो पत्थर त्रिकोण आकार में जुड़े हुए हैं। दोनों देखने में एक जैसे ही हैं, इसलिए इन्हें सिस्टर स्टोंस कहा जाता है। इसके पीछे भी एक कहानी प्रचलित है। दो ईष्यालु बहनें हम्पी घूमने आईं, वे हम्पी की बुराई करने लगीं। शहर की देवी ने जब यह सुना तो उन दोनों बहनों को पत्थर में तब्दील कर दिया।

हम्पी इसी नदी के किनारे बसा हुआ है। पौराणिक ग्रंथ रामायण में भी हम्पी का उल्लेख वानर राज्य किष्किन्धा की राजधानी के तौर पर किया गया है। शायद यही वजह है कि यहां कई बंदर हैं। हम्पी से पहले एनेगुंदी विजयनगर की राजधानी हुआ करती थी। दरअसल यह गांव है, जो विकास की रफ्तार में काफी पिछड़ा हुआ है। यहां के निवासियों को बिल्कुल नहीं पता कि सदियों पहले यह जगह कैसी हुआ करती थी। नव वृंदावन मंदिर तक पहुंचने के लिए नाव के जरिए नदी पार करनी पड़ती है, जिसे कन्नड़ में टेप्पा कहा जाता है। यहां के लोगों का विश्वास है कि नव वृंदावन मंदिर के पत्थरों में जान है, इसलिए लोगों को इन्हें छूने की इजाजत नहीं है।।

स्थापत्य कला

विजयनगर के शासकों ने मंत्रणागृहों, सार्वजनिक कार्यालयों, सिंचाई के साधनों, देवालयों तथा प्रासादों के निर्माण में बहुत उत्साह दिखाया। विदेशी यात्री नूनीज ने नगर के अन्दर सिंचाई की अद्भुत व्यवस्था और विशाल जलाशयों का वर्णन किया है। राजकीय परकोटे के अंतर्गत अनेक प्रासाद, भवन एवं उद्यान बनाये गये थे। राजकीय परिवार की स्त्रियों के लिए अनेक सुन्दर भवन थे, जिनमें कमल-प्रासाद सुन्दरतम था। यह भारतीय वास्तुकला का अद्भुत उदाहरण था। यह माना जाता है कि एक समय में हम्पी रोम से भी समृद्ध नगर था। प्रसिद्ध मध्यकालीन विजयनगर राज्य के खण्डहर वर्तमान हम्पी में मौजूद हैं। इस साम्राज्य की राजधानी के खण्डहर संसार को यह घोषित करते हैं कि इसके गौरव के दिनों में स्वदेशी कलाकारों ने यहां वास्तुकला, चित्रकला एवं मूर्तिकला की एक पृथक शैली का विकास किया था। हम्पी पत्थरों से घिरा शहर है। यहां मंदिरों की खूबसूरत श्रृंखला है, इसलिए इसे मंदिरों का शहर भी कहा जाता है।

मंदिरों का शहर

हम्पी मंदिरों का शहर है जिसका नाम पम्पा से लिया गया है। पम्पा तुंगभद्रा नदी का पुराना नाम है।

विठल स्वामी का मन्दिर

हम्पी में विठल स्वामी का मन्दिर सबसे ऊंचा है। यह विजयनगर के ऐश्वर्य तथा कलावैभव के चरमोत्कर्ष का द्योतक है। मंदिर के कल्याणमंडप की नक्काशी इतनी सूक्ष्म और सघन है कि यह देखते ही बनता है। मंदिर का भीतरी भाग 55 फुट लम्बा है। और इसके मध्य में ऊंची वेदिका बनी है। वित्रल भगवान का रथ केवल एक ही पत्थर में से कटा हुआ है। मंदिर के निचले भाग में सर्वत्र नक्काशी की हुई है। लांगहर्स्ट के कथनानुसार- यद्यपि मंडप की छत कभी पूरी नहीं बनाई जा सकी थी और इसके स्तंभों में से अनेक को मुस्लिम आक्रमणकारियों ने नष्ट कर दिया, तो भी यह मन्दिर दक्षिण भारत का सर्वोत्कृष्ट मंदिर कहा जा सकता है। फग्युसन ने भी इस मंदिर में हुई नक्काशी की भूरि-भूरि प्रशंसा की है। कहा जाता है कि पंढरपुर के वित्रल भगवान इस मंदिर की विशालता देखकर यहां आकर फिर पंढरपुर चले गए थे।

विरुपाक्ष मन्दिर

विरुपाक्ष मन्दिर को पंपापटी मंदिर भी कहा जाता है, यह हेमकुटा पहाडियों के निचले हिस्से में स्थित है। हम्पी के कई आकर्षणों में से यह मुख्य है। 1509 में अपने अभिषेक के समय कृष्णदेव राय ने गोपुड़ा का निर्माण करवाया था। भगवान विठाला या भगवान विष्णु को यह मंदिर समर्पित है। 15वीं शताब्दी में निर्मित यह मंदिर बाजार क्षेत्र में स्थित है। यह नगर के सबसे प्राचीन स्मारकों में से एक है। मंदिर का शिखर जमीन से 50 मीटर ऊंचा है। मंदिर का संबंध विजयनगर काल से है। इस विशाल मंदिर के अंदर अनेक छोटे-छोटे मंदिर हैं जो विरूपाक्ष मंदिर से भी प्राचीन हैं। मंदिर के पूर्व में पत्थर का एक विशाल नंदी है जबकि दक्षिण की ओर भगवान गणेश की विशाल प्रतिमा है। यहां अर्ध सिंह और अर्ध मनुष्य की देह धारण किए नरसिंह की 6.7 मीटर ऊंची मूर्ति है।

पत्थर का रथ

किंवदंती है कि भगवान विष्णु ने इस जगह को अपने रहने के लिए कुछ अधिक ही बड़ा समझा और अपने घर वापस लौट गए। विरुपाक्ष मंदिर भूमिगत शिव मंदिर है। मंदिर का बड़ा हिस्सा पानी के अन्दर समाहित है, इसलिए वहां कोई नहीं जा सकता। बाहर के हिस्से के मुकाबले मंदिर के इस हिस्से का तापमान बहुत कम रहता है। विठाला मंदिर का मुख्य आकर्षण इसकी खम्बे वाली दीवारें और पत्थर का बना रथ है। इन्हें संगीतमय खंभे के नाम से जाना जाता है, क्योंकि प्यार से थपथपाने पर इनमें से संगीत निकलता है। पत्थर का बना रथ वास्तुकला का अद्भुत नमूना है। पत्थर को तराश कर इसमें मंदिर बनाया गया है, जो रथ के आकार में है। कहा जाता है कि इसके पहिये घूमते थे, लेकिन इन्हें बचाने के लिए सीमेंट का लेप लगा दिया गया है।

बडाव लिंग

पास में स्थित बडाव लिंग चारों ओर से पानी से घिरा है, क्योंकि इस मंदिर से ही नहर गुजरती है। मान्यता है कि हम्पी के एक गरीब निवासी ने प्रण लिया था कि यदि उसकी किस्मत चमक उठी तो वह शिवलिंग का निर्माण करवाया। बडाव का मतलब गरीब ही होता है।

लक्ष्मी नरसिम्हा मंदिर

हम्पी लक्ष्मी नरसिम्हा मंदिर या उग्र नरसिम्हा मंदिर बड़े चट्टानों से बना हुआ है, यह हम्पी की सबसे ऊंची मूर्ति है। यह करीब 6.7 मीटर ऊंची है। नरसिम्हा आदिशेष पर विराजमान हैं। असल में मूर्ति के एक घुटने पर लक्ष्मी जी की छोटी तस्वीर बनी हुई है, जो विजयनगर साम्राज्य पर आक्रमण के समय धूमिल हो गई।

रानी का स्नानागार

हम्पी में स्थित रानी का स्नानागार चारों ओर से बंद है। 15 वर्ग मीटर के इस स्नानागार में गैलरी, बरामदा और राजस्थानी बालकनी है। कभी इस स्नानागार में सुगंधित शीतल जल छोटी-सी झील से आता है, जो भूमिगत नाली के माध्यम से स्नानागार से जुड़ा हुआ था। यह स्नानागार चारों ओर से घिरा और ऊपर से खुला है।

हजारा राम मंदिर

हजारा राम मंदिर हम्पी के राजा का निजी मंदिर

माना जाता था। मंदिर की भीतरी और बाहरी दीवारों पर बेहतरीन नक्काशी की गई है। बाहरी कमरों की छतों के ठीक नीचे बनी नक्काशी में हाथी, घोड़ा, नृत्य करती बालाओं और मार्च करती सेना की टुकडियों को दर्शाया गया है, जबकि भीतरी हिस्से में रामायण और देवताओं के दृश्य दिखाए गए हैं। इसमें असंख्य पंखों वाले गरुड़ को भी चित्रित किया गया है।

कमल महल

हम्पी में स्थित कमल के आकार का दो मंजिला

महल और इसका मुंडेर महल पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है। कमल महल हजारा राम मंदिर के समीप है। यह महल इन्डो-इस्लामिक शैली का मिश्रित रूप है। कहा जाता है कि रानी के महल के आसपास रहने वाली राजकीय परिवारों की महिलाएं आमोद-प्रमोद के लिए यहां आती थीं। महल के मेहराब बहुत आकर्षक हैं।

हाउस ऑफ विक्टरी

हाउस ऑफ विक्टरी स्थान विजयनगर के शासकों का आसन था। इसे कृष्णदेवराय के सम्मान में बनवाया गया जिन्होंने युद्ध में ओडिशा के राजाओं को पराजित किया था। वह हाउस ऑफ विक्टरी के विशाल सिंहासन पर बैठते थे और नौ दिवसीय दसारा पर्व को यहां से देखते थे।

संग्रहालय

कमलापुर में स्थित पुरातत्व विभाग का संग्रहालय बहुत-सी प्राचीन मूर्तियों और हस्तशिल्पों का सग्रंह है। इस क्षेत्र की समस्त हस्तशिल्पों को यहां देखा जा सकता है।

हाथीघर

हम्पी का हाथीघर जीनान क्षेत्र से सटा हुआ है। यह गुम्बदनुमा इमारत है जिसका इस्तेमाल राजकीय हाथियों के लिए किया जाता था। इसके प्रत्येक चेम्बर में एक साथ ग्यारह हाथी रह सकते थे। यह हिन्दू-मुस्लिम निर्माण कला का उत्तम नमूना है।

कब जाएं

अक्टूबर से मार्च की अवधि हम्पी जाने के लिए सबसे उत्तम मानी जाती है। हम्पी जाने के लिए हवाई, रेल और सड़क मार्ग को अपनी सुविधानुसार अपनाया जा सकता है। हम्पी जाने के लिए होस्पेट जाना पड़ता है। हैदराबाद से होस्पेट के लिए रेल है। होस्पेट से आगे 15 किलोमीटर की दूरी पर हम्पी है।

हवाई मार्ग

हम्पी से 77 किलोमीटर दूर बेल्लारी सबसे नजदीकी हवाई अड्डा है। बैंगलोर से बेल्लारी के लिए नियमित उड़ानों की व्यवस्था है। बेल्लारी से राज्य परिवहन की बसों और टैक्सी द्वारा हम्पी पहुंचा जा सकता है।

रेल मार्ग

हम्पी से 13 किलोमीटर दूर होस्पेट नजदीकी रेलवे स्टेशन है। यह रेलवे स्टेशन हुबली, बैंगलोर, गुंटाकल से जुड़ा हुआ है। होस्पेट से राज्य परिवहन की नियमित बसें हम्पी तक जाती हैं।

सड़क मार्ग

होस्पेट से सड़क मार्ग के द्वारा हम्पी पहुंचा जा सकता है। हम्पी बेलगांव से 190 किलोमीटर दूर बेंगलुरु से 350 किलोमीटर दूर, गोवा से 312 किलोमीटर दूर है।

मंदिर की छत दो बार बनाई गई थी। लेकिन पहली बार आग से छत नष्ट हो गयी।और दूसरी बार छत ढह गई। फिर भगवान शिव स्वयं एक भक्त के सपनों में प्रकट हुए और कहा: "मैं तड़केश्वर महादेव हूं। मुझे सूर्य की किरणों की आवश्यकता है। इसलिए, मंदिर की छत को फिर से नहीं बनाना चाहिए।" उसी दिन से ताड़केश्वर महादेव के मंदिर का निर्माण इस तरह किया गया की शिवलिंग पर सूर्य की किरणे गिरते रहे।

800 साल पुराना शिवालय

गुजरात में तड़केश्वर महादेव मंदिर में सूर्य की किरणें करती हैं शिवजी का अभिषेक

दक्षिण गुजरात के वलसाड जिले में वांकी नदी के किनारे बसा है अब्रामा गांव। यहां विराजमान हैं प्राचीन अलौकिक तड़केश्वर महादेव। भोलेनाथ के इस मंदिर पर शिखर का निर्माण संभव नहीं है, इसलिए सूर्य की किरणें सीधे शिवलिंग का अभिषेक करती हैं।

1994 में हुआ था जीर्णोद्धार

1994 में मंदिर का जीर्णोद्धार कर 20 फुट के गोलाकार आकृति में खुले शिखर का निर्माण किया गया। शिव भक्त-उपासक हर समय यहां दर्शन कर धर्मलाभ अर्जित करने आते रहते हैं। पावन श्रावण माह व महाशिव रात्रि पर यहां विशाल मेला लगता है।

स्वप्न में शिव जी ने बताया था

800 वर्ष पुराने इस अलौकिक मंदिर के बारे में उल्लेख मिलता है कि एक ग्वाले ने पाया कि उसकी गाय हर दिन झूंड से अलग होकर घने जंगल में जाकर एक जगह खड़ी होकर अपने आप दूध की धारा प्रवाहित करती है। ग्वाले ने अब्रामा गांव लौटकर ग्रामीणों को उसकी सफेद गाय द्वारा घने वन में एक पावन स्थल पर स्वतः दुग्धाभिषेक की बात बताई। शिव भक्त ग्रामीणों ने वहां जाकर देखा तो पवित्र स्थल के गर्भ में एक पावन शिला विराजमान थी।

फिर शिव भक्त ग्वाले ने हर दिन घने वन में जाकर शिला अभिषेक-पूजन शुरू कर दिया। ग्वाले की अटूट श्रद्धा पर शिवजी प्रसन्न हुए। शिव जी ने ग्वाले को स्वप्न दिया और आदेश दिया कि घनघोर वन में आकर तुम्हारी सेवा से मैं प्रसन्न हूं। अब मुझे यहां से दूर किसी पावन जगह ले जाकर स्थापित करो। ग्वाले ने ग्रामीणों को स्वप्न में मिले आदेश की बात बताई।

कभी बन नहीं पाया शिखर

ग्वाले की बात सुनकर सारे शिव भक्त ग्रामीण वन में गए। पावन स्थल पर ग्वाले की देखरेख में खुदाई की तो यह शिला सात फुट की शिवलिंग स्वरूप में निकली। फिर ग्रामीणों ने पावन शिला को वर्तमान तड़केश्वर मंदिर में विधि-विधान से प्राण प्रतिष्ठित किया। साथ ही चारों ओर दीवार बना कर ऊपर छप्पर डाला। ग्रामीणों ने देखा कि कुछ ही वक्त में यह छप्पर स्वतः ही सुलग कर स्वाहा हो गया।

ऐसा बार-बार होता गया, ग्रामीण बार-बार प्रयास करते रहे। ग्वाले को भगवान ने फिर स्वप्न में बताया मैं तड़केश्वर महादेव हूं। मेरे ऊपर कोई छप्पर-आवरण न बनाएं। फिर ग्रामीणों ने शिव के आदेश को शिरोधार्य किया। शिवलिंग का मंदिर बनवाया लेकिन शिखर वाला हिस्सा खुला रखा ताकि सूर्य की किरणें हमेशा शिवलिंग पर अभिषेक करती रहें। तड़के का अभिप्राय धूप है जो यहां शिव जी को प्रिय है।

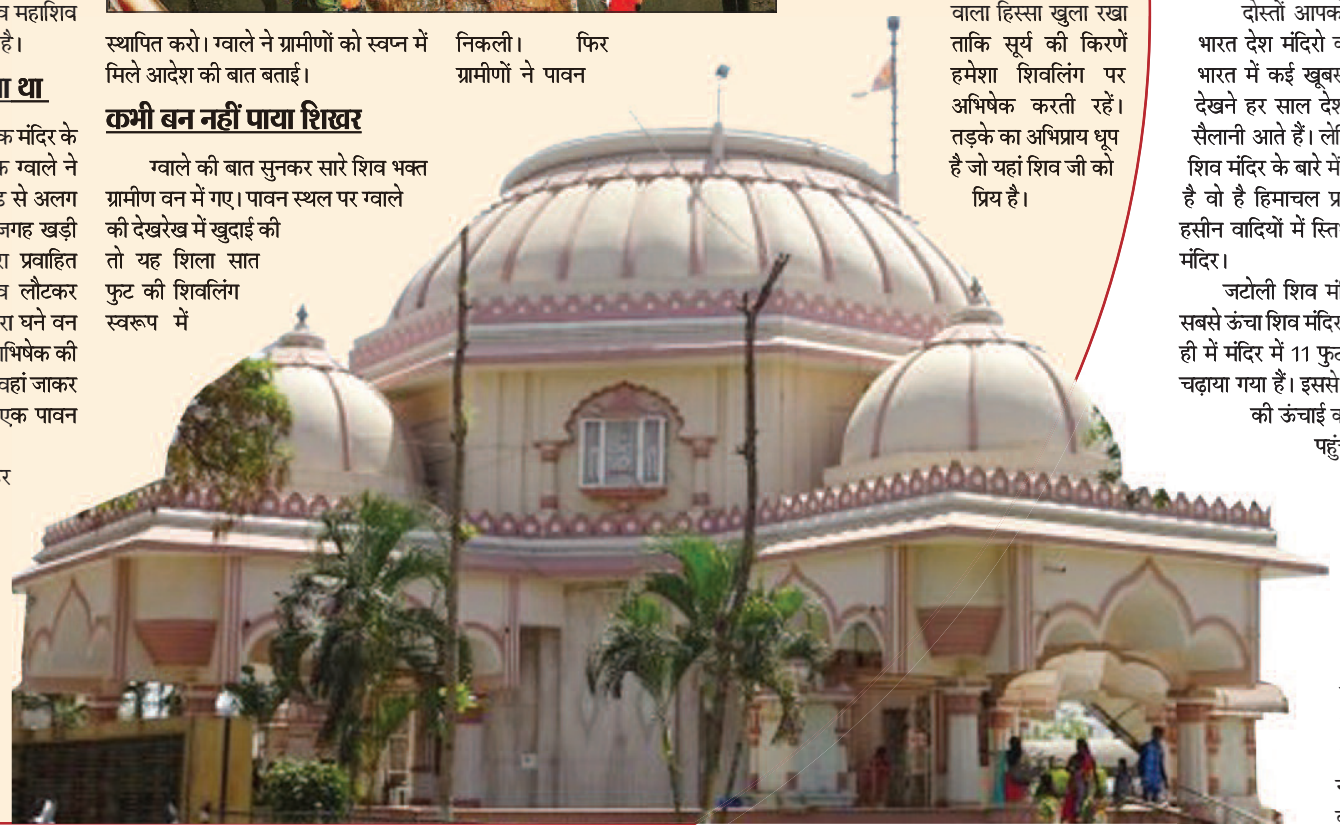

हिमाचल के सोलन की हसीन वादियों में बसा है एशिया का सबसे ऊंचा शिव मंदिर

दोस्तों आपको पता ही होगा की भारत देश मंदिरो का देश हैं। वैसे तो भारत में कई खूबसूरत मंदिर है जिन्हें देखने हर साल देश-विदेश से करोड़ों सैलानी आते हैं। लेकिन हम जिस भव्य शिव मंदिर के बारे में आज बताने जा रहे है वो है हिमाचल प्रदेश के सोलन की हसीन वादियों में स्तिथ जटोली का शिव मंदिर।

जटोली शिव मंदिर को एशिया का सबसे ऊंचा शिव मंदिर कहा जाता हैं। हाल ही में मंदिर में 11 फुट लंबा स्वर्ण कलश चढ़ाया गया हैं। इससे जटोली शिव मंदिर की ऊंचाई करीब 122 फुट तक पहुंच गई है।

देवो के देव महादेव का यह मंदिर सोलन से करीब 6 किलोमीटर दूर है। दक्षिण-द्रविड़ शैली में बने भोलेनाथ के इस मंदिर की नक्क़ाशी की सुंदरता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है की इस शिव मंदिर को बनने में करीब 39 साल का समय लगा।

ऐसा माना जाता है की भोलेनाथ ने यहां कुछ समय के लिए यहाँ विश्राम किया था। उसके बाद तपस्वी बाबा स्वामी कृष्णानंद परमहंस के मार्गदर्शन पर 1973 में जटोली शिव मंदिर का निर्माण कार्य शुरू हुआ।

इस मंदिर के चारों तरफ आप कुदरत के बेहतरीन नजारों का भी लुफ़्त ले सकते हैं।

कैसे पहुंचे :

सोलन से बस/टैक्सी से राजगढ़ रोड़ होते हुए आसानी से जटोली शिव मंदिर पंहुचा जा सकता है। सड़क से करीबन 100 सीढ़ियां चढ़ने के बाद महादेव के दर्शन होते हैं।

अमेरिका ने गाजा में सीजफायर प्रस्ताव पर वीटो लगाया

कहा- इजराइल को अपनी रक्षा करने का हक; 14 देशों ने जंग रोकने के लिए वोट किया

एजेंसी

वॉशिंगटन, अमेरिका ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के गाजा में युद्धविराम कायम करने वाले प्रस्ताव पर वीटो लगा दिया है। यूएनएससी में बुधवार को इसके लिए वोटिंग हुई जिसमें 15 में से 14 देशों ने गाजा में युद्ध विराम के पक्ष में वोटिंग की। प्रस्ताव में सभी बंधकों की रिहाई और मानवीय सहायता प्रतिबंधों को हटाने की भी मांग की गई थी। अमेरिका इस प्रस्ताव के खिलाफ मतदान करने वाला एकमात्र देश था। अमेरिका ने इसे रोकने के लिए अपने वीटो पावर का इस्तेमाल किया। संयुक्त राष्ट्र में अमेरिकी राजदूत डोरोथी शिया ने कहा कि यह प्रस्ताव सीजफायर के 'कूटनीतिक प्रयासों' को कमजोर करेगा। इस प्रस्ताव को यूएनएससी के 10 देश अल्जीरिया, डेनमार्क, ग्रीस, गयाना, पाकिस्तान, पनामा, कोरिया गणराज्य, सिएरा लियोन,

स्लोवेनिया और सोमालिया ने मिलकर प्रस्तुत किया था, जिसपर ब्रिटेन, फ्रांस, रूस और चीन ने भी सहमति जताई थी। शिया ने कहा कि हमें याद रखना चाहिए कि संयुक्त राष्ट्र ने हमास को 'आतंकवादी' संगठन नहीं माना है। हम किसी ऐसे कदम का समर्थन नहीं करेंगे जो हमास की निंदा नहीं करता और जो हमास से हथियार छोड़ने और गाजा छोड़ने की मांग नहीं करता है। वीटो पावर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के पांच स्थायी सदस्यों (अमेरिका, रूस, चीन, ब्रिटेन और फ्रांस) को दी गई स्पेशल पावर है। इसके तहत, ये देश सुरक्षा परिषद के किसी भी प्रस्ताव को, चाहे वह कितना भी अहम क्यों न हो, अस्वीकार (वीटो) कर सकते हैं। इसका मतलब है कि अगर इनमें से कोई एक देश भी किसी प्रस्ताव के खिलाफ मतदान करता है, तो वह प्रस्ताव पारित नहीं हो सकता, भले ही बाकी सभी 14 सदस्य (10 अस्थायी और 4 स्थायी) इसके पक्ष में हों। गाजा में स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, 4 जून को अलग-अलग इजराइली हमलों में कम से कम 95 फिलिस्तीनी मारे गए और 440 से अधिक घायल हुए थे। अल जजीरा के मुताबिक गाजा में इजराइली हमले बढ़ें है।

मध्य गाजा और पूरे क्षेत्र में इजरायली हमले लगातार जारी हैं। इस बीच, इजराइली सेना ने लोगों को जीएचएफ के केंद्रों पर जाने से मना किया है। सेना ने चेतावनी जारी करते हुए कहा कि इन क्षेत्रों को युद्ध क्षेत्र माना जाएगा और यहां पूरे दिन के लिए सहायता रोक दी गई है। दक्षिणी गाजा में 1 जून को खाना बांटने के दौरान गोलीबारी हुई, जिसमें 32 फिलिस्तीनी लोगों की मौत हो गई थी । गाजा के सरकारी मीडिया ऑफिस ने कहा था कि दक्षिणी गाजा के राफा शहर में एक सहायता वितरण केंद्र के पास इजराइली सेना ने गोलीबारी की थी। इसमें 32 लोगों की मौत हो गई वहीं, 232 लोग घायल हुए थे। अल-जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक 27 मई को 100 से अधिक फिलिस्तीनी मारे गए और 300 से ज्यादा लोग घायल हुए थे।

अमेरिका में 12 देशों के नागरिकों की एंट्री बैन

ट्रम्प बोले- खतरनाक लोगों से देश को बचा रहे, 7 और देशों पर आंशिक रोक लगाई

एजेंसी

वॉशिंगटन डीसी, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने 12 देशों के लोगों के अमेरिका आने पर पूरी तरह से रोक लगाने का आदेश जारी किया है। उन्होंने कहा कि यह कदम अमेरिका की सुरक्षा और लोगों की जान की हिफाजत के लिए जरूरी है। यह बैन 9 जून से लागू हो रहा है। इनके अलावा 7 देशों के नागरिकों पर आंशिक रोक भी लगाई है। ये इमिग्रेशन और नॉन-इमिग्रेशन दोनों तरह के वीजा पर लागू होगी। अमेरिकी विदेश विभाग के मुताबिक पूर्ण बैन का मतलब है कि उस देश के अधिकतर नागरिकों का

अमेरिका में प्रवेश पूरी तरह से प्रतिबंधित होता है। इनमें टूरिस्ट वीजा, स्टूडेंट वीजा, वर्क वीजा और इमिग्रेंट वीजा चाहने वाले लोग शामिल होते हैं। वहीं आंशिक बैन का मतलब है कि उस देश के नागरिकों पर कुछ खास प्रकार के वीजा या एंट्री पर रोक लगाई जाती है, बाकी पर नहीं। यानी इमिग्रेंट वीजा नहीं मिलेगा, लेकिन टूरिस्ट वीजा मिल सकता है। स्टूडेंट्स को परमिशन मिलेगी, लेकिन वर्क वीजा पर रोक रहेगी। ट्रम्प ने दूसरे देशों के नागरिकों को वीजा जारी करते वक्त सावधानी बरतने के लिए कहा है। उन्होंने कहा कि वीजा जारी करते वक्त ध्यान रखना चाहिए कि ऐसे लोग अमेरिका न आ सकें, जो अमेरिकियों या देश के हितों को नुकसान पहुंचा सकते हैं। ट्रम्प ने अपने पहले कार्यकाल के दौरान 2017 में एक ट्रैवल बैन लगाया था, जिसे अक्सर मुस्लिम बैन कहा जाता है। इसमें ज्यादातर मुस्लिम बहुल देशों को शामिल किया गया था। जनवरी 2017 में जारी किए आदेश के मुताबिक शुरूआती प्रतिबंध में जिन 7 देशों पर पूरी तरह से अमेरिका आने पर रोक लगाई गई थी। उनमें ईरान, इराक, लीबिया, सोमालिया, सूडान, सीरिया और यमन शामिल थे। बाद में इसमें बदलाव किए गए। पहले इराक को इस लिस्ट से बाहर कर दिया गया। बाद में सूडान को हटाकर उसकी जगह चाड को जोड़ा गया। फिर नॉर्थ कोरिया और वेनेजुएला जैसे गैर-मुस्लिम देशों को भी शामिल किया गया, ताकि इसे धार्मिक भेदभाव वाला न कहा जा सके।

बिलावल ने कहा- मोदी इजराइली पीएम का सस्ता वर्जन

भारत बोला- हताशा आतंकी सरगनाओं पर निकालें, पाकिस्तान में आतंकवाद नेशनल पॉलिसी

एजेंसी

इस्लामाबाद, पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी ने को पीएम मोदी को इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू का सस्ता वर्जन बताया है। भारत ने बिलावल के बयान की कड़ी निंदा की है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि पाकिस्तान नए निचले स्तर पर पहुंच चुका है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भुट्टो को अपनी हताशा का गुस्सा पाकिस्तान में आतंकवाद के सरगनाओं पर निकालना चाहिए, जो आतंकवाद को देश की नीति का हिस्सा बनाए हुए हैं। वहीं, शशि थरूर के नेतृत्व वाले भारतीय प्रतिनिधिमंडल में शामिल शिवसेना सांसद मिलिंद देवड़ा ने इसे दुर्भाग्यपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि एक युवा पाकिस्तानी नेता अमेरिका में उन लोगों का बचाव कर रहा है जो उसकी मां की हत्या के लिए जिम्मेदार हो सकते हैं। भुट्टो ने कहा कि पाकिस्तान अपनी महान सभ्यता विरासत पर गर्व करता है। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के नेता ने टिप्पणी की, ₹हम सिंधु घाटी सभ्यता के उत्तराधिकारी हैं। मोहनजोदड़ो मेरे निर्वाचन क्षेत्र से बस कुछ ही दूरी पर है।₹ यह पहली बार नहीं है जब पाकिस्तान ने मोदी पर निशाना साधा हो। 2022 में संयुक्त राष्ट्र में बोलते हुए तत्कालीन पाकिस्तान के विदेश मंत्री ने कहा था कि ह्यवह आरएसएस, बीजेपी या पीएम मोदी से नहीं डरते।ह्न

इससे पहले संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में 3 जून की देर रात बिलावल ने आरोप लगाया कि पहलगाम में हुए आतंकी हमले को भारत सरकार राजनीतिक मकसद से इस्तेमाल कर रही है ताकि भारत के मुसलमानों को बदनाम किया जा सके।

पाकिस्तानी नेता बिलावल भुट्टो जरदारी के इस झूठ को एक पत्रकार ने मौके पर ही पकड़ लिया था। पत्रकार ने कहा कि, आप कह रहे हैं कि हालिया आतंकी हमले का इस्तेमाल भारत में मुस्लिमों को बदनाम करने के लिए किया जा रहा है, लेकिन मैंने खुद भारतीय सेना की ब्रीफिंग देखी हैं, और उसमें मुस्लिम अधिकारी ही शामिल थे। दरअसल, भारत की तरफ से दो महिला अधिकारी कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह ऑपरेशन सिंदूर से जुड़ी प्रेस ब्रीफिंग कर रही थीं। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उन्होंने कहा कि भारत ने कश्मीर के पहलगाम में हुई एक घटना के लिए बिना किसी जांच या सबूत के पाकिस्तान को दोषी ठहराया, जबकि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इस घटना की जांच में मदद की पेशकश की थी। बिलावल भुट्टो ने आरोप लगाया कि भारत ने सीमा पार कर के निर्दोष लोगों को निशाना बनाया है। उन्होंने यह भी कहा कि पाकिस्तान हर तरह के आतंकवाद की निंदा करता है और इस लड़ाई में उसने बहुत भारी कीमत चुकाई है। उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच हालिया तनाव पर चिंता जताई और कहा कि दोनों देश परमाणु शक्ति संपन्न हैं, इसलिए हालात काफी गंभीर हो सकते थे। पाकिस्तान ने भी भारत की तरह विदेशों में अपनी बात रखने के लिए डेलिगेशन भेजा है। इस प्रतिनिधिमंडल में कुल 9 सदस्य शामिल हैं।

पाकिस्तान में अहमदिया मुस्लिमों के ईद मनाने पर पाबंदी

5 लाख रुपए जुमार्ने की धमकी; जबरदस्ती हलफनामा भरवाया जा रहा

एजेंसी

इस्लामाबाद, पाकिस्तान के सिंध और पंजाब प्रांत में अहमदिया मुस्लिमों को ईद मनाने से रोकने के लिए जबरदस्ती हलफनामें भरवाए जा रहे हैं। पंजाब में तो अहमदियों को चेतावनी दी गई है कि अगर उन्होंने ईद मनाई तो 5 लाख रुपए जुमार्ना देना होगा। पंजाब और सिंध के कई इलाकों में को अहमदिया समुदाय पर घर के अंदर धार्मिक रीति-रिवाजों और कुबार्नी न करने का भी दबाव बनाया जा रहा है। इस साल 7 जून को ईद मनाई जाएगी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, कई जगहों

पर पुलिस अहमदिया लोगों को हिरासत में ले रही है और उन्हें धमकी देकर या परेशान करके हलफनामे पर साइन कराए जा रहे हैं। पाकिस्तान में हमेशा से अहमदिया समुदाय सरकार और कट्टरपंथियों के निशाने पर रहा है। एम्नेस्टी इंटरनेशनल की जून 2024 की रिपोर्ट के मुताबिक, पंजाब में कम से कम 36 अहमदिया लोगों को मनमाने ढंग से गिरफ्तार किया गया था, ताकि उन्हें ईद की कुबार्नी करने से रोका जा सके। पाकिस्तान में करीब 20 लाख की आबादी वाला अहमदिया समुदाय उत्पीड़न का शिकार रहा है। 1974 के संवैधानिक संशोधन के तहत उन्हें मुस्लिम नहीं माना जाता। उन्हें कुरान पढ़ने, नमाज अदा करने या खुले तौर पर धार्मिक रीति-रिवाज करने की अनुमति नहीं है। इसके अलावा, तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीएलपी) और तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान (टीएलपी) जैसे संगठन उन पर हमला करते हैं। लाहौर हाई कोर्ट बार एसोसिएशन ने पंजाब के आईजी को पत्र लिखकर अहमदिया समुदाय पर इस्लामी रीति-रिवाजों के पालन करने आरोप लगाया और इसे कानून का उल्लंघन बताया। बार एसोसिएशन अध्यक्ष मलिक आसिफ ने कहा कि सिर्फ मुसलमानों को ही कुबार्नी करने का अधिकार है। अहमदिया समुदाय का इन रीति-रिवाजों में हिस्सा लेते हैं तो इससे मुस्लिम बहुसंख्यकों की भावनाओं को ठेस पहुंचेगी। इससे हिंसा का खतरा बढ़ जाएगा। साल 1889 में पंजाब के लुधियाना जिले के कादियान गांव में मिर्जा गुलाम अहमद ने अहमदिया समुदाय की शुरूआत की थी।

85% आरक्षण की जिद पर अड़े तेजस्वी यादव, सीएम नीतीश को लिखा पत्र

एजेंसी

राजद नेता तेजस्वी यादव ने गुरुवार को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को पत्र लिखकर विधानसभा का विशेष सत्र बुलाने की मांग की, जहां समाज के कमजोर वर्गों के लिए कोटा बढ़ाकर 85 प्रतिशत करने के लिए नए कानून लाए जा सकें। विपक्ष के नेता यादव ने सोशल मीडिया पर एक पत्र साझा किया, जिसमें उन्होंने राज्य सरकार पर इस मुद्दे पर जानबूझकर टालमटोल करने का आरोप लगाया। तेजस्वी ने एक्स पर लिखा कि महागठबंधन सरकार में बढ़ाई गई 65% आरक्षण सीमा को अपनी ही सरकार में संविधान की 9वीं अनुसूची में शामिल कराने में घोर विफल रहे मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी को पत्र लिखा है। तेजस्वी यादव ने आगे लिखा कि बाकी हमने जो करना है वो हम करेंगे। दलित-आदिवासी, पिछड़ा-अतिपिछड़ा वर्गों का वोट लेकर फरर-बीजेपी की पालकी ढो रहे अवसरवादी सुविधाभोगी नेताओं को भी बिहार की न्यायप्रिय जनता के साथ अच्छे से समझेंगे। उन्होंने याद दिलाया कि 2023 में पारित पिछले कानून को पटना उच्च न्यायालय ने खारिज कर दिया था, जिसने यह विचार व्यक्त किया था कि

तेजस्वी यादव ने आगे लिखा कि बाकी हमने जो करना है वो हम करेंगे। दलित-आदिवासी, पिछड़ा-अतिपिछड़ा वर्गों का वोट लेकर फरर-बीजेपी की पालकी ढो रहे अवसरवादी सुविधाभोगी नेताओं को भी बिहार की न्यायप्रिय जनता के साथ अच्छे से समझेंगे।

कोटा में वृद्धि किसी वैज्ञानिक अध्ययन का पालन नहीं करती है जो इस तरह की आवश्यकता को उजागर कर सके।कोटा में वृद्धि जातियों के एक महत्वाकांक्षी सर्वेक्षण के आधार पर की गई थी, जिसमें 1931 की जनगणना की तुलना में दलितों और पिछड़े वर्गों की जनसंख्या प्रतिशत में वृद्धि दिखाई गई थी, जब विभिन्न सामाजिक समूहों की गणना अंतिम बार हुई थी।यादव ने तमिलनाडु का उदाहरण दिया, जहां ₹69 प्रतिशत कोटा लागू है, और कहा कि बिहार भी अपने आरक्षण कानूनों को नौवीं अनुसूची में डालकर न्यायिक हस्तक्षेप से बचा सकता है। राजद नेता ने नए कानूनों का मसौदा तैयार करने के लिए ₹सर्वदलीय समिति₹ बनाने और उसके बाद इन्हें पारित करने के लिए ₹विशेष सत्र₹ बुलाने का आह्वान किया। उन्होंने भाजपा पर भी आरोप लगाया कि वह राज्य में सत्ता में है और केंद्र में शासन करती है, और आरक्षण का विरोध करती है।

जम्मू-कश्मीर में एनआईए का बड़ा एक्शन, 32 स्थानों पर की छापेमारी

आतंकवादी सोशल मीडिया या ऑनलाइन ऐप का इस्तेमाल आतंक को बढ़ावा देने और उसे बढ़ावा देने के लिए कर रहे :एनआईए

एनआईए ने एक बयान में कहा कि जिन कार्यकताओं और परिसरों की तलाशी ली गई, वे आतंकवादी गतिविधियों में सहयोग करने, जैसे आतंकवादियों की मदद करना, चिपचिपे बम/चुंबकीय बम, आईईडी, धन, मादक पदार्थ और हथियार एवं गोला-बारूद का संग्रह और वितरण करने में संलिप्तता के कारण एनआईए की जांच के दायरे में हैं।

एजेंसी

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने गुरुवार (5 जून) को जम्मू-कश्मीर को अस्थिर करने के लिए पाकिस्तान समर्थित प्रतिबंधित आतंकवादी संगठनों और उनके सहयोगियों द्वारा आतंकी साजिश के खिलाफ अपनी जारी जांच के तहत कश्मीर भर में 32 स्थानों पर तलाशी ली। एनआईए के अनुसार, ये स्थान हाइब्रिड आतंकवादियों और पाकिस्तान स्थित इन संगठनों से जुड़े ओवरग्राउंड वर्करों के आवासीय परिसर थे, जैसे द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ), यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट जम्मू और कश्मीर मुजाहिदीन (यूएलएफजे-के), गजवत-उल-हिंद (एमजीएच), जम्मू और कश्मीर फ्रीडम फाइटर्स (जेकेएफएफ), कश्मीर टाइगर्स, पीएएएफ और अन्य, जो लस्कर-ए-तैयबा (एलईटी), जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम), अल-बद्र जैसे प्रतिबंधित आतंकवादी संगठनों से जुड़े हैं।एनआईए ने एक बयान में कहा कि जिन कार्यकताओं और परिसरों की तलाशी ली गई, वे

आतंकवादी गतिविधियों में सहयोग करने, जैसे आतंकवादियों की मदद करना, चिपचिपे बम/चुंबकीय बम, आईईडी, धन, मादक पदार्थ और हथियार एवं गोला-बारूद का संग्रह और वितरण करने में संलिप्तता के कारण एनआईए की जांच के दायरे में हैं। एनआईए की जांच के अनुसार, पाकिस्तान में अपने नेताओं द्वारा समर्थित उपर्युक्त संगठन स्थानीय युवाओं को कट्टरपंथी बनाकर और जमीनी कार्यकताओं को संगठित करके, जम्मू-कश्मीर में शांति और सांप्रदायिक सद्भाव को बिगाड़ने के लिए आतंक और हिंसा की वारदातों को अंजाम देने की साजिश रच रहे हैं। जांच एजेंसी ने आगे कहा कि जांच से पता चला है कि पाकिस्तान स्थित आतंकवादी सोशल मीडिया या ऑनलाइन ऐप का इस्तेमाल आतंक को बढ़ावा देने और उसे बढ़ावा देने के लिए कर रहे थे। उन्होंने कहा, ₹वे कश्मीर घाटी में अपने गुर्गों और कैडरों को हथियार और गोला-बारूद, विस्फोटक और नशीले पदार्थ पहुंचाने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल कर रहे थे।₹ तलाशी के दौरान एनआईए को दो जिंदा कारतूस, एक फायर की गई गोली का सिरा और एक संगीन बरामद हुई। इसके अलावा, एनआईए को इन तलाशियों में बड़ी मात्रा में आपत्तिजनक डेटा और दस्तावेज वाले कई डिजिटल उपकरण भी मिले हैं।

असम में बाढ़ ने मचाई तबाही ब्रह्मपुत्र समेत कई नदियां उफान पर, 21 जिले प्रभावित

असम में इस साल बाढ़ से मरने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 14 हो गई है . राज्य के 21 जिले प्रभावित हैं .

एजेंसी

गुवाहाटीः असम के कई जिले पिछले कुछ दिनों से वार्षिक मानसून बाढ़ के विनाशकारी प्रभाव से जूझ रहा है. इस साल बाढ़ की पहली लहर ने पहले ही 21 जिलों को प्रभावित किया है. पिछले कुछ दिनों से लगातार बारिश के कारण नदियां उफान पर हैं. बाढ़ से मरने वालों की संख्या 14 हुई, 21 जिले बाढ़ से प्रभावितअसम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने पुष्टि की है कि बुधवार को दो और लोगों की जान चली गई, जिससे इस साल बाढ़ से मरने वालों की कुल संख्या 14 हो गई.असम के दर्जनों गांव पानी में डूबे

कुल मिलाकर, इन इलाकों में 66 राजस्व मंडल वर्तमान में बाढ़ के पानी में डूबे हुए हैं. बढ़ते जल स्तर के दबाव में नदी के किनारे टूटने से कृषि भूमि के बड़े क्षेत्र और दर्जनों गांव जलमग्न हो गए हैं. बाढ़ के कारण राज्य की कई प्रमुख नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं. इनमें ब्रह्मपुत्र (निमतिघाट, तेजपुर और धुबरी में), बुरहिदीहिंग (चेनीमारी और खोवांग), कोपिली (कामपुर और धर्मतुल), बराक (फुलरताल, बीपी घाट और एपी घाट), सोनाई (अमराघाट), रुकनी (धोलाई), धोलेश्वरी (घोरमुरा), कटखल (मटिजुरी) और कुशियारा (श्रीभूमि) शामिल हैं.निचले इलाकों और नदी से सटे इलाकों में बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी हुई है.

विदेश मंत्री जयशंकर से मिला संजय झा के नेतृत्व वाला डेलिगेशन

पांच देशों की यात्रा के बारे में दिया फीडबैक

संजय झा ने इस मुलाकात के बाद कहा कि हमने विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात की और उन्हें अपनी पांच देशों की यात्रा के बारे में फीडबैक दिया। हमने पांच देशों की अपनी यात्रा के दौरान के अपने अनुभव उनके साथ साझा किए।

एजेंसी

जेडी(यू) सांसद संजय झा के नेतृत्व में जापान, दक्षिण कोरिया, सिंगापुर, इंडोनेशिया और मलेशिया का दौरा करने वाले सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल ने दिल्ली में विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात की। संजय झा ने इस मुलाकात के बाद कहा कि हमने विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात की और उन्हें अपनी पांच देशों की यात्रा के बारे में फीडबैक दिया। हमने पांच देशों की अपनी यात्रा के दौरान के अपने अनुभव उनके साथ साझा किए। पांच देशों की अपनी यात्रा के दौरान हमने तथ्यों के साथ पूरी स्थिति बताई

और उन्हें बताया कि भारत में चार दशकों से सीमा पार आतंकवाद हो रहा है।संजय झा ने कहा कि हमने जिन देशों का दौरा किया, वहां सबसे बड़ी सराहना यह थी कि प्रधानमंत्री मोदी ने सभी दलों के प्रतिनिधिमंडल भेजे। उन्होंने सराहना की कि पूरे देश ने एक स्वर में बात की, सिवाय उनके (कांग्रेस के)... उन्हें (कांग्रेस को) ईमानदारी से आकलन करना चाहिए कि वे जो भाषा इस्तेमाल कर रहे हैं, वह राष्ट्र के सर्वोत्तम हित में है या उसके खिलाफ है। पूर्व राजनयिकों के अलावा विभिन्न राजनीतिक दलों के लगभग 50 सदस्य पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद, पाकिस्तान के साथ हुए सैन्य संघर्ष को लेकर भारत के रुख से अवगत कराने के लिए 33 देशों की राजधानियों और यूरोपीय संघ (ईयू) की अपनी यात्राओं के अंतिम चरण में हैं। भारत ने आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने की अपनी नीति से विभिन्न देशों को अवगत कराया है और यह स्पष्ट किया है कि अगर उसकी धरती पर आतंकवादी हमले होते हैं तो वह आतंकवादियों और उन्हें प्रायोजित करने वालों को दंडित करना जारी रखेगा। प्रतिनिधिमंडल वापस आने पर सरकार को अपने राजनयिक मिशनों की मुख्य बातें बताएंगे। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद रविशंकर प्रसाद और बैजयंत पांडा, कांग्रेस के शशि थरूर, द्रमुक की कनिमोई, राकांपा (एसपी) की सुप्रिया सुले, जद(यू) के संजय झा और शिवसेना के श्रीकांत शिंदे विभिन्न देशों के दौरे पर भेजे गए प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं।